घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com | अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 73- सोमवार 12- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये | RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे : पीएम मोदी

1000 साल पहले का संघर्ष,आज का गौरव...

सोमनाथ,11 जनवरी 2026। गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 1000 साल पहले हुए हमले को लेकर पीएम ने कहा कि,उस वक्त आतताई सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही ध्वजा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं,जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। पीएम ने नेहरू का नाम लिए बिना कहा कि जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई। दरअसल 1951 में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने को लेकर जवाहरलाल नेहरू ने आपत्ति जताई थी। पीएम ने मंदिर से करीब 3 किमी दूर सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिश में लगी हुई हैं। पीएम ने सुबह मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई को जीतेंगें। जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई।

पीएम ने कहा- ये वातावरण और उत्सव अद्भुत है...

रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- ये समय अदभुत है। ये वातावरण अद्भुत है। यह उत्सव अद्भुत है। एक और स्वयं देवादिदेव महादेव, दूसरी और समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की गूंज , आस्था का ऊफान, इस दिव्य वातावरण में आप सब भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को दिव्य बना रही है। भव्य बना रही है और मैं इसे अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सेवा का अवसर मिला।

1000 साल पहले का संघर्ष,आज का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि जब वे आज यहां खड़े होकर बोल रहे हैं,तो उनके मन में यह सवाल बार-बार आता है कि 1000 साल पहले इसी स्थान पर कैसा माहौल रहा होगा। उन्होंने कहा हमारे पुरखों ने अपनी आस्था और महादेव के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। आक्रांताओं को लगा कि वे जीत गए, लेकिन 1000 साल बाद भी सोमनाथ की ध्वजा पूरी दुनिया को भारत की शक्ति का संदेश दे रही है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि सोमनाथ का इतिहास विनाश का नहीं,बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का इतिहास है। उन्होंने कहा कि आक्रांता आते रहे, लेकिन हर युग में सोमनाथ फिर से खड़ा हुआ इतना धैर्य,संघर्ष और पुनर्निर्माण का उदाहरण दुनिया के इतिहास में दुर्लभ है।

मोदी बोले- सोमनाथ की गाथा को शब्दों में बयां नहीं कर सकते

यहां 72 घंटों तक अनवरत ओमकार का नाद और मंत्रोच्चार किया गया। सोमनाथ की 1 हजार साल की गाथा का वर्णन और शौर्य यात्रा,सबकुछ मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। इस अनुभुति को शब्द अभिव्यक्त नहीं कर सकते हैं। इसे केवल समय ही संकलित कर सकता है।

पीएम ने कहा- न तो सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत

ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं,अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं।

गजनवी को लगा सोमनाथ का वजूद मिटाया,मंदिर फिर खड़ा हुआ

पीएम ने कहा- आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए,1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुननिर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुननिर्माण करा दिया।

शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगड़ू सकपाल शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल

मुंबई,11 जनवरी 2026। शिवसेना यूबीटी के पूर्व विधायक दगड़ू सकपाल रविवार को शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल हो गए। इससे दक्षिण मुंबई में शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा है। पूर्व विधायक दगड़ू सकपाल पिछले कई दशकों से शिवसेना यूबीटी में एक्टिव थे। दक्षिण मुंबई के लालबाग-परेल आदि इलाकों में उनकी पकड़ है। सकपाल ने अपनी बेटी के लिए शिवसेना यूबीटी से टिकट मांगा था, लेकिन टिकट न मिलने से सकपाल नाराज थे। उनकी नाराजगी को देखते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनसे मुलाकात की और बातचीत की, जिसके बाद वह आज पार्टी में शामिल हो गए। दगड़ू सकपाल के पार्टी में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि दगड़ू सकपाल शिवसेना के पुराने और वफ़ादार कार्यकर्ता हैं। मुंबई, खासकर साउथ मुंबई में शिवसेना को बढ़ाने और स्थापित करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उनके आने से शिवसेना को बहुत ताकत मिली है। आज हमें सच में लालबाग के राजा और मुंबई के राजा का आशीर्वाद मिला है। इस मौके पर दगड़ू सकपाल ने कहा कि जिस पार्टी के लिए मैंने अपनी जिंदगी लगा दी, उसे छोड़ना वाकई बहुत दुख देता है। मैंने यह फ़ैसला बहुत भारी मन से लिया है।

निर्माण कार्य में धूल कम करने के लिए स्टील को दें बढ़ावा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,11 जनवरी 2026। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भवन निर्माण के दौरान धूल प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वनिर्मित (प्रीकास्ट) और इस्पात (स्टील) निर्माण विधियों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने कहा,पूरी दुनिया में आपको मजतबूत कंक्रीट मिश्रण देखने को नहीं मिलता। आपको स्टील और पूर्वनिर्मित संरचनाएं ही दिखती हैं। शायद ये थोड़ी महंगे हैं। मैं इस बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत करने की सोच रहा था कि क्या हम इसके लिए रियायतें और प्रोत्साहन दे सकते हैं। पीयूष गोयल उत्तरी मुंबई के मलाड पश्चिम उपनगर में स्थित आदर्श कॉम्पलैक्स में व्यापारियों और हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 15 जनवरी को होने वाले मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले आयोजित की गई थी।

मशीनें शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान उड़ने वाली धूल प्रदूषण का कारण बनती है। उन्होंने मजबूत कंक्रीट निर्माण की मशीनों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। गोयल ने कहा,मैंने अपने (संसदीय निर्वाचन क्षेत्र) क्षेत्र से चार-पांच मशीनें हटवा दी हैं। गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि प्रदूषण पैदा करने वाली प्रक्रियाओं का उपयोग न करने को अनिवार्य बनाने के बजाय,बिल्डरों के बीच सहमति बनाकर पूर्वनिर्मित और स्टील निर्माण विधियों का इस्तेमाल कर प्रदूषण को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

केरल में अमित शाह ने फूंका चुनावी बिगुल...विजयन सरकार पर साधा निशाना

राज्य में भाजपा की बढ़ रही पकड़ : अमित शाह

तिरुवनंतपुरम,11 जनवरी 2026। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केरल की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। ऐसे में आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'न्यू इंडिया, न्यू केरल' सम्मेलन में सीएम पिनराई विजनय पर जमकर निशाना साधा। साथ ही पीएम मोदी की विकास-केंद्रित राजनीति और जनता को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

केरल में इस साल होने वाले विधासनभा से पहले राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच रविवार को केरल दौर पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साथ कई मामलों को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ विजयन सरकार पर तीखा हमला बोला। तिरुवनंतपुरम में केरल कौमुदी द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया, न्यू केरल' सम्मेलन में शाह ने एक साथ कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय दी। उन्होंने केरल के आर्थिक विकास, राजनीति और सुरक्षा से जुड़े कई सवालों उठाए। सम्मेलन में शाह ने कहा कि अमित शाह ने कहा कि 2004-2014 में यूपीए सरकार ने केरल को 72,000 करोड़ रुपये दिए, जबकि 2014-2024 में एनडीए सरकार ने 3,23,000 करोड़ रुपये दिए, बावजूद इसके कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार नहीं थी। उन्होंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर आरोप लगाया कि वे गलत तरीके से यह प्रचार कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी केरल के खिलाफ हैं, जबकि वास्तव में उनके शासन में ही राज्य के साथ अन्याय हुआ।

पीएम मोदी की नेतृत्व शैली और विकास पर जोर

इस दौरान अमित शाह ने पीएम मोदी के नेतृत्व शैली और विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की पहल से राजनीति प्रदर्शन आधारित हो रही है, शिकायतों पर नहीं, बल्कि समाधान और विकास पर ध्यान है। उन्होंने कहा कि विकास और समानता के लिए राजनीति की जड़ता और शिकायतों से आगे बढ़ना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के दबाए गए लोग अब मौन नहीं रहेंगे और जनता को सशक्त बनाना ही सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अमित शाह ने अपने भाषण में केरल में निवेश, विकास, सुरक्षा और राजनीति में बदलाव की दिशा को प्रमुखता से बताया। साथ ही कहा कि एनडीए के नेतृत्व में केरल का भविष्य विकसित और मजबूत बन सकता है।

केरल की अर्थव्यवस्था और विकास

अमित शाह ने कहा कि केरल की अर्थव्यवस्था सिर्फ प्रवासी मजदूरों की रेमिटेंस पर आधारित है, यह लंबे समय में राज्य के हर नागरिक को फायदा नहीं पहुंचा सकती। उन्होंने रेमिटेंस का स्वागत किया, लेकिन कहा कि राज्य के विकास के लिए और उपाय जरूरी हैं। इस दौरान शाह ने केरल में एनडीए की योजना को लेकर भी बातें की। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा और एनडीए की पकड़ बढ़ रही है। 2014 में भाजपा को 11%, 2019 में एनडीए को 16% और 2024 में 20% वोट मिले। हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में पहली बार तिरुवनंतपुरम में भाजपा का मेयर बैठा है। उन्होंने कहा कि केरल को नई विचारधारा, नया नेतृत्व और नई राजनीति की जरूरत है, जिसे केवल भाजपा और एनडीए दे सकते हैं।

संघ बदल नहीं रहा,मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है : मोहन भागवत

नई दिल्ली,11 जनवरी 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन ही संघ की आत्मा है और उसका मूलमंत्र भारत सर्वोपरि है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समय के साथ बदल नहीं रहा बल्कि अपने मूल विचार, संस्कार और मूल्यों के साथ निरंतर विकसित हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' का पहला गीत 'भगवा है अपनी पहचान' रविवार को दिल्ली के केशव कुंज में आयोजित विशेष समारोह में लॉन्च किया गया। आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गीत का औपचारिक लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि फिल्म 'शतक' और इसका एंथम संघ की राष्ट्रनिष्ठा, आंतरिक शक्ति और सेवा-भाव को प्रभावी ढंग से सामने लाते हैं। यह फिल्म संघ की उन कहानियों को भी उजागर करती है, जो अब तक आम जनमानस के सामने नहीं आ पाईं। डॉ. हेडगेवार में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता थी। वे जीवन की कठिन चुनौतियों का भी समभाव से सामना करते थे और यही गुण संघ की कार्यप्रणाली में आज भी दिखाई देता है। संघ की विचारधारा स्थिर नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुसार निरंतर विकसित होने वाली है। उन्होंने कहा कि गीत 'भगवा है अपनी पहचान' में भगवा रंग को केवल प्रतीक के रूप में नहीं बल्कि भारत की सभ्यतागत चेतना और पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। गीत में भगवा को त्याग,तपस्या, अनुशासन, सेवा और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बताया गया है। यह समाज को सामूहिक चेतना के साथ एकजुट होकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान करता है। जाने-माने गायक सुखविंदर सिंह ने अपनी ऊर्जावान आवाज से गीत को प्रभावशाली बनाया है। संगीतकार सनी इंदर की सशक्त धुनों और गीतकार राकेश कुमार पाल के ओजपूर्ण शब्दों ने गीत को जोश और भावनात्मक गहराई प्रदान की है। इस अवसर पर सुखविंदर सिंह ने कहा कि उनका गीत मोहन भागवत द्वारा लॉन्च किया जाना उनके लिए गर्व और आशीर्वाद का क्षण है। यह गीत उनके लिए केवल एक पेशेवर कार्य नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा है। उन्होंने इसे पूरे मन से गाया है और उम्मीद जताई कि यह हर भारतीय के दिल को छुएगा। उल्लेखनीय है कि फिल्म 'शतक' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 1925 में नागपुर में स्थापना से लेकर आज तक की 100 वर्षों की यात्रा को दर्शाती है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर एनसीएपी की भूमिका पर सवाल उठाए

नई दिल्ली,11 जनवरी 2026। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने देश में बढ़ते वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के नए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि भारत में वायु प्रदूषण अब एक संरचनात्मक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। रमेश ने कहा कि इस पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया नाकाफी और अप्रभावी है। जयराम रमेश ने जारी पत्र में कहा कि सैटेलाइट डेटा पर आधारित अध्ययन से स्पष्ट होता है कि देश के लगभग 44 प्रतिशत शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। आकलन किए गए 4,041 वैधानिक नगरों में से 1,787 शहरों में वर्ष 2019 से 2024 के बीच, 2020 को छोड़कर, लगातार पांच वर्ष तक पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) 2.5 का वार्षिक स्तर राष्ट्रीय मानकों से ऊपर दर्ज किया गया।

शक्ति केंद्रों की मजबूती से ही भाजपा को मिल रही चुनावी सफलता : नितिन नबीन

कोयंबटूर,11 जनवरी 2026। तमिलनाडु के कोयंबटूर ज़िले के मुत्तलीपालायम क्षेत्र स्थित एक निजी विवाह मंडप में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शक्ति केंद्र प्रभारियों की सलाहकार बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने भाग लिया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में नितिन नबीन ने कहा कि शक्ति केंद्र प्रशासन की सशक्त, संगठित और अनुशासित कार्यप्रणाली के कारण ही भाजपा देश के कई राज्यों में लगातार चुनावी सफलताएं हासिल कर रही है। उन्होंने कहा कि आठ जिलों से आए शक्ति केंद्र प्रभारियों में दिख रहा जोश, उत्साह और समर्पण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आगामी चुनावों में भाजपा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को पराजित करने वाली एक बड़ी ताकत बनकर उभरेगी। नितिन नबीन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान को भारत द्वारा दिए गए सटीक और प्रभावी जवाब का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के दिखाए मार्ग पर चलकर सभी स्तरों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को द्रमुक को सत्ता से हटाने के लिए पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने वाली शक्तियों को पराजित किए बिना यह संघर्ष नहीं रुकना चाहिए। सनातन परंपरा और भगवान राम का अपमान करने वालों को करारा जवाब देने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

संपादकीय

वायु प्रदूषण से संघर्ष

राज्यों ने लिया सतत रूप से सक्रिय रहने का निर्णय

दिल्ली-एनसीआर राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 15 जनवरी से साल भर सक्रिय रहने का निर्णय लिया है,जिसकी मासिक समीक्षा होगी। वर्तमान उपाय अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। लेख जोर देता है कि यह समस्या केवल दिल्ली-एनसीआर तक सीमित नहीं,बल्कि पूरे उत्तर भारत में है। सभी राज्यों को ऐसे सतत प्रयास करने चाहिए। जनता की सजगता और जनप्रतिनिधियों पर दबाव भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए आवश्यक है...

यह स्वागतयोग्य है कि देर से ही सही,दिल्ली और एनसीआर के सभी राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सतत रूप से सक्रिय रहने का निर्णय किया। इसके सकारात्मक परिणाम निकलने चाहिए,पर ऐसा तब होगा,जब दिल्ली संग एनसीआर के राज्य वास्तव में वर्ष भर वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। समझना कठिन है कि अभी तक इसकी आवश्यकता क्यों नहीं समझी गई?

अभी स्थिति यह है कि जब वायु प्रदूषण सिर उठा लेता है,तब अलग-अलग राज्य अपने-अपने स्तर पर उससे निपटने के लिए सक्रिय होते हैं। यह सक्रियता निष्प्रभावी ही रहती है। यह किसी से छिपा नहीं कि इन दिनों दिल्ली-एनसीआर वायु प्रदूषण से त्रस्त है और उससे निपटने के लिए जो भी उपाय किए जा रहे हैं, वे अपर्याप्त सिद्ध हो रहे हैं।

वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु की गुणवत्ता संभालने के लिए साल भर प्रदूषण रोधी उपायों पर काम करने के लिए अपनी जो योजना केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सौंपी है, उसके तहत सभी राज्य 15 जनवरी से वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने का काम शुरू कर देंगे,जो वर्ष भर चलेंगे।

अच्छी बात यह है कि इन कामों की हर महीने समीक्षा होगी। इस सबके बावजूद प्रश्न यह है कि आखिर केवल दिल्ली एवं उससे सटे राज्य ही वायु प्रदूषण से पार पाने के लिए आगे क्यों आए हैं? यह कार्य तो हर राज्य और विशेष रूप से उत्तर भारत के सभी राज्यों को करना चाहिए।

अब वायु प्रदूषण केवल दिल्ली-एनसीआर की ही समस्या नहीं है, भले ही उसकी चर्चा अधिक होती हो। सच यह है कि अब सर्दियों में उत्तर भारत के करीब-करीब सभी राज्य वायु प्रदूषण से ग्रस्त रहने लगे हैं। इसी कारण भारत की गिनती उन देशों में होने लगी है,जहां की वायु सर्वाधिक प्रदूषित बनी रहती है। उचित यह होगा कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय देश के सभी राज्यों से वायु प्रदूषण से निपटने की ऐसी किसी योजना पर काम करने को कहे, जो वर्ष भर चलती रहे।

फिलहाल यह कहना कठिन है कि दिल्ली एवं एनसीआर के राज्यों ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 12 महीने सक्रिय रहने की जो तैयारी की है, उसके कैसे नतीजे कब तक सामने आएंगे,लेकिन यह समझा जाए कि वायु प्रदूषण से मुक्ति तभी मिलेगी, जब आम जनता उसके प्रति सजग होगी और साथ ही अपना योगदान देने के लिए भी तत्पर रहेगी।

लोगों को अपने जनप्रतिनिधियों पर इसके लिए दबाव डालना होगा कि वे जानलेवा साबित होते वायु प्रदूषण को गंभीरता से लें। उन्हें नगर निकायों पर भी दबाव बनाना होगा,क्योंकि स्थानीय स्तर पर जिन कारणों से वायु प्रदूषण बढ़ता है,उनका निवारण करने में वे नाकाम ही हैं।

मकर संक्रांति :पतंगबाजी,आनंद,संस्कृति और चेतना

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

मकर संक्रांति का पर्व भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं,बल्कि ऋतु परिवर्तन, सामाजिक सहभागिता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह वह समय है जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है और प्रकृति के साथ–साथ मानव जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। इस पर्व से जुड़ी पतंगबाज़ी की परंपरा सदियों से चली आ रही है,जिसने समय के साथ स्वयं को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा,बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य संबंधी आयामों को भी अपने भीतर समाहित किया है। आज पतंग उड़ाना सिर्फ़ छतों पर खड़े होकर डोर खींचने का खेल नहीं,बल्कि सामूहिक उत्सव,मानसिक प्रसन्नता और शारीरिक सक्रियता का प्रतीक बन चुका है।

पतंग उड़ाने की परंपरा भारत में अत्यंत प्राचीन मानी जाती है। ऐतिहासिक संदर्भों और लोककथाओं में इसके उल्लेख मिलते हैं। कभी यह राजदरबारों में कौशल और रणनीति का प्रतीक रही,तो समय के साथ आम जनजीवन में रच-बस गई। मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और अन्य पर्वों पर आसमान का रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाना,भारतीय समाज की सामूहिक चेतना और उत्सवधर्मिता को दर्शाता है। हरियाणा,राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में यह पर्व केवल परंपरा नहीं,बल्कि एक बड़े सामाजिक आयोजन का रूप ले लेता है। पतंगबाज़ी का सबसे सुंदर पक्ष उसका सामाजिक स्वरूप है। यह लोगों को घरों से बाहर निकालकर एक-दूसरे से जोड़ती है। छतों के बीच संवाद,बच्चों की खिलखिलाहट, युवाओं की प्रतिस्पर्धा और बुज़ुर्गों की स्मृतियों से उपजी मुस्कान–ये सभी दृश्य इस पर्व को जीवंत बनाते हैं। वो काटा वो मारा की गूंज केवल खेल का उत्साह नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता की आवाज़ होती है। आज के समय में, जब सामाजिक संवाद सिमटता जा रहा है, ऐसे पर्व मानवीय रिश्तों को सहेजने का अवसर प्रदान करते हैं। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंग महोत्सवों और सामूहिक आयोजनों ने इस परंपरा को नए आयाम दिए हैं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती हैं,जिनका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना भी होता है। इन आयोजनों में महिलाएँ,बच्चे और बुज़ुर्ग समान रूप से भाग लेते हैं, जिससे यह पर्व किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के हर हिस्से का उत्सव बन जाता है।

अक्सर पतंगबाज़ी को केवल मौसमी खेल समझ लिया जाता है, लेकिन इसके स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी कम नहीं हैं। पतंग उड़ाते समय शरीर के कई अंग सक्रिय रहते हैं। हाथों, कंधों और आँखों का समन्वय होता है,जिससे शारीरिक सक्रियता बनी रहती है। खुले वातावरण में समय बिताने से शरीर को सूर्य की ऊर्जा मिलती है और मानसिक थकान कम होती है। चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे सामूहिक और आनंददायक आयोजन तनाव को कम करने में सहायक होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पतंग उड़ाना अत्यंत उपयोगी है। खुले आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ते देखना मन को प्रसन्नता और शांति देता है। यह व्यक्ति को वर्तमान क्षण से जोड़ता है और एक प्रकार के सहज ध्यान का अनुभव कराता है। आज के तेज़ रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में ऐसे अनुभव मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बच्चों के लिए पतंगबाज़ी केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि सीखने की प्रक्रिया भी है। इससे उनमें धैर्य, संतुलन,समन्वय और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। हवा की दिशा को समझना,डोर का सही तनाव बनाए रखना और सही समय पर निर्णय लेना–ये सभी कौशल बच्चों की निर्णय क्षमता को मजबूत करते हैं। साथ ही, जब यह गतिविधि परिवार के साथ मिलकर की जाती है, तो बच्चों में सामाजिक मूल्य और सांस्कृतिक जुड़ाव भी गहराता है।

हालाँकि,जहाँ पतंगबाज़ी आनंद और उत्साह का पर्व है,वहीं इससे जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। बीते वर्षों में चाइनीज़ मांझा और नायलॉन डोर के प्रयोग से कई गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं। यह न केवल मनुष्यों के लिए,बल्कि पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी घातक सिद्ध हुआ है। सड़क दुर्घटनाएँ,गले में कट लगने की घटनाएँ और पक्षियों की मौत–ये सभी इस परंपरा के विकृत स्वरूप की ओर संकेत करते हैं।सरकार और प्रशासन द्वारा इस दिशा में नियम बनाए गए हैं,लेकिन केवल नियम पर्याप्त नहीं हैं। समाज में जागरूकता फैलाना और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। सूती डोर का उपयोग, खुले और सुरक्षित स्थानों का चयन,बच्चों की निगरानी और समय-सीमा का ध्यान–ये सभी कदम पतंगबाज़ी को सुरक्षित बना सकते हैं। यह ज़रूरी है कि उत्सव की खुशी किसी के लिए दुःख का कारण न बने।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी पतंगबाज़ी पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पतंगों के अवशेष पेड़ों,बिजली के तारों और सड़कों पर फँसकर पर्यावरण के लिए समस्या बन जाते हैं। प्लास्टिक और नायलॉन से बनी पतंगें लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और जीव-जंतुओं के लिए खतरा पैदा करती हैं। ऐसे में पर्यावरण-अनुकूल पतंगों और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की माँग है।

कई सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी समूह इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। वे बच्चों और युवाओं को सुरक्षित और पर्यावरण-संवेदनशील पतंगबाज़ी के लिए प्रेरित कर रहे हैं। स्कूलों और सामाजिक मंचों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि परंपरा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे।

बदलते समय के साथ पतंगबाज़ी का स्वरूप भी बदल रहा है। अब यह केवल छतों तक सीमित नहीं रही। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसे एक वैश्विक पहचान दी है। पतंग महोत्सवों की तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में साझा किए जा रहे हैं। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव आयोजित कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हैं।

यह परिवर्तन दर्शाता है कि परंपराएँ स्थिर नहीं होतीं, वे समय के साथ स्वयं को ढालती हैं। पतंगबाज़ी भी इसी परिवर्तन का उदाहरण है, जहाँ परंपरा, मनोरंजन,स्वास्थ्य और आधुनिकता एक साथ उड़ान भरते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आनंद और जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि पूरक हैं।

अंततः, मकर संक्रांति और उससे जुड़ी पतंगबाज़ी केवल एक त्योहार नहीं,बल्कि जीवन को उत्सव की तरह देखने का दृष्टिकोण है। यह हमें सामूहिकता,संतुलन और आनंद का महत्व समझाती है। जब हम परंपरा को समझदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनाते हैं, तो वह अतीत की स्मृति भर नहीं रहती,बल्कि वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा बन जाती है। आसमान में उड़ती पतंगें हमें यही संदेश देती हैं कि सीमाएँ केवल ज़मीन पर होती हैं, सपनों के लिए आकाश हमेशा खुला रहता है–बस डोर थामने का हुनर और संतुलन बनाए रखने की समझ होनी चाहिए।

वैश्विक युद्ध की प्रेत-छाया में व्यापारिक द्वंद का दौर

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़

ताकतवर देशों की आर्थिक सिरमौर बनने की चाहत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य व्यापारिक संप्रभुता और विश्व की अर्थव्यवस्था मैं सिरमौर बनने के प्रयासों की ओर बढ़ रहा है। इस समय विश्व व्यवस्था की परिघटना में एक ऐतिहासिक मोड़ आ गया है जहाँ शांतिपूर्ण सहयोग और आर्थिक प्रतिस्पर्धा,युद्ध की परंपरागत विधि की अपेक्षा पहले से कहीं अधिक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

आज 21वीं सदी में पारंपरिक भौतिक युद्ध के स्थान पर देश व्यापार युद्ध,आर्थिक प्रतिस्पर्धा और नीतिगत टकराव के माध्यम से अपनी शक्ति,प्रतिष्ठा और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने में लगे हैं। यह स्पष्ट है कि अब विश्व युद्ध नहीं,बल्कि व्यापार युद्ध होने की संभावना अधिक है,क्योंकि दुनिया के अधिकांश प्रमुख देशों ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं।

आज विश्व अर्थव्यवस्था में शक्ति संतुलन का निर्धारण केवल सैन्य बल से नहीं होता बल्कि आर्थिक ताकत, वैश्विक व्यापार नीति,निवेश सहयोग एवं तकनीकी नेतृत्व से होता है। अमेरिका,चीन,रूस,ब्रिटेन,फ्रांस, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे प्रमुख देश अब सीधे युद्ध की बजाय आर्थिक रणनीतियों,शुल्क,व्यापार समझौतों,बाजारों तक पहुंच और पूंजी आकर्षण की लड़ाई में लगे हैं। आज अमेरिका ने 2025 में भारत सहित लगभग 68 देशों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाए,जिनका उद्देश्य अपने व्यापार घाटे को कम करना और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देना है,जबकि इसी कदम ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ाया है । अमेरिका और चीन के बीच पहले से चले आ रहे व्यापार तनाव ने व्यापार युद्ध की अवधारणा को मज़बूती दी है, जहाँ दोनों देश एक-दूसरे के उत्पादों पर शुल्क बढ़ा रहे हैं। इससे वैश्विक व्यापार नेटवर्क प्रभावित हो रहे हैं और कई उद्योगों में अस्थिरता आ रही है। अमेरिका-चीन के बीच यह टकराव केवल शुल्कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि तकनीकी नियंत्रण,निवेश प्रतिबंध और आपूर्ति श्रृंखला पुनर्गठन जैसे मुद्दों पर भी उभर रहा है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रवाहशीलता पर असर पड़ा है।

इस प्रतिस्पर्धा की पृष्ठभूमि में प्रत्येक देश अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए नीतिगत परिवर्तन कर रहा है। भारत ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 2024-25 में निर्यात में लगभग 15.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जिससे इसके व्यापार घाटे में भी उल्लेखनीय कमी आई है। भारत के निर्यात में मर्चेंडाइज और सेवा दोनों का योगदान रहा है और यह वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को मजबूती देता है। अमेरिका, जो समय-समय पर अमेरिका फर्स्ट जैसी नीति अपनाता रहा है, वह अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करते हुए उच्च टैरिफ लागू करता है, जिससे उसके व्यापारिक साझेदारों को आर्थिक संतुलन में बदलाव का सामना करना पड़ता है। अमेरिका के इस कदम से न केवल चीन, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के साथ भी तनाव उत्पन्न होने का खतरा बढ़ रहा है। अमेरिका का लक्ष्य लंबे समय से अपने व्यापार घाटे को कम करना रहा है,जो लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर का रहा है,और इसी वजह से टैरिफ नीति का सहारा लिया जा रहा है।

चीन की स्थिति भी दिलचस्प है, जो अब विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ अपनी वैश्विक पहुंच और तकनीकी क्षमता का विस्तार कर रहा है। चीन बेल्ट एन्ड रोड (बीआरआई) के जरिए कई देशों को अपनी आर्थिक परिधि में लाने का प्रयास कर रहा है, जबकि अमेरिका उसे रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में देख रहा है।

भारत ने हमेशा आधिकारिक तौर पर कहा है कि वह गुटनिरपेक्ष राजनीति और शांति की दिशा में विश्वास रखता है। भारत का रुख पारंपरिक सैन्य आक्रामकता से अलग है; वह व्यापार,निवेश,आर्थिक सुधार और तकनीकी नवाचार के माध्यम से विश्व में शांति एवं विकास का संदेश देना चाहता है। भारत जैसे उभरते बाजार देश ने व्यापार समझौतों पर जोर दिया है और उसने अनेक मुक्त व्यापार व साझेदारी समझौते किए हैं, जिनसे उसके निर्यात को बाज़ारों तक पहुंचाने में मदद मिली है और वैश्विक भागीदारों के साथ उसके संबंध मजबूत हुए हैं। दूसरी तरफ,पश्चिम एशियाई खाड़ी देश,जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि,मुख्य रूप से तेल और ऊर्जा व्यापार में व्यस्त हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं कच्चे तेल पर निर्भर हैं और तेल की कीमतों तथा वैश्विक ऊर्जा मांग पर उनकी आर्थिक स्थिति काफी हद तक टिकी हुई है। वे अपने संसाधनों का उपयोग वैश्विक निवेश और ऊर्जा सुरक्षा पर दबदबा बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। इस क्षेत्र में आंतरिक विद्रोह,राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक विविधीकरण की चुनौतियों के बीच इन देशों की नज़र वैश्विक आर्थिक संतुलन और निवेश आकर्षण पर टिके हुए हैं।

ब्रिटेन,फ्रांस और कनाडा जैसे विकसित देश भी रक्षा और रणनीतिक सहयोग से अधिक आर्थिक सुधार और वैश्विक व्यापार में प्रभाव के लिए प्रयासरत हैं। यूरोपीय संघ के भीतर व्यापार नीतियों,तकनीकी मानकों और आव्रजन नीतियों के माध्यम से वे अपने बाजार को संरक्षित करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होने का काम कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया,इसके प्राकृतिक संसाधनों और खुले व्यापार मॉडल के कारण,वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

अर्थव्यवस्था और वैश्विक शक्ति के बीच यह नया संबंध दर्शाता है कि आज दुनिया की लड़ाई,कौन बड़ा सैनिक है की नहीं बल्कि ,कौन बड़ा व्यापारी और निवेशक है की हो गई है। इस प्रतिस्पर्धा का प्रभाव रोज़गार, मुद्रास्फीति,निवेश प्रवाह और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी देखने को मिलता है। शोध बताते हैं कि आयात शुल्क और व्यापार संघर्षों से वैश्विक रोजगार में करोड़ों नौकरियों के नुकसान का खतरा भी होता है, विशेषकर निम्न-कुशल श्रमिकों पर यह प्रभाव और अधिक गहरा होता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि दुनिया अब सामरिक युद्धों की अपेक्षा अर्थव्यवस्था, व्यापार नीति,तकनीकी नेतृत्व और निवेश रणनीति के युद्ध में प्रवेश कर चुकी है। ऐसी स्थिति में युद्ध की विधि सैन्य टकराव से बढ़कर आर्थिक प्रभाव,व्यापार प्रोत्साहन, वैश्विक साझेदारी और स्थिरता की दिशा में केंद्रित हो रही है। तथा इसमें भारत जैसे गुटनिरपेक्ष देश की भूमिका विशुद्ध रूप से शांति,आर्थिक समृद्धि और सहयोग की दिशा में अग्रसर होती दिखाई देती है।

इस समग्र परिप्रेक्ष्य से यह स्पष्ट है कि 21वीं सदी में व्यापार युद्ध ही मुख्य संघर्ष का मैदान है,जहाँ शक्ति का निर्धारण केवल बंदूक या टैंक से नहीं बल्कि बाज़ार,नीति,नवाचार,और वैश्विक सहयोग से होता है।

नैतिकता की तेरहवीं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

गाँव के पुराने बरगद के नीचे कभी नैतिकता अपनी जड़ें जमाए बैठी थी,पर आज वहाँ कंक्रीट का वह विकास खड़ा है जिसने संवेदनाओं की हरियाली को निगल लिया है। लाला घासीराम की मृत्यु कोई साधारण घटना नहीं थी,वह तो पतन की तमाम प्रजातियों के लिए कंटेंट का एक महाकुंभ बन गया। जैसे ही लाला की सांसें थमीं, उनके सुपुत्र गजानन ने एम्बुलेंस बुलाने के बजाय लाइट्स, कैमरा,एक्शन मोड में आकर अपना आईफोन निकाला और पिता की ठंडी पड़ती देह के साथ एक सेल्फी ली, जिसका कैप्शन था–एंड ऑफ एन एरा। गाँव में यह कहावत मशहूर थी कि बाप मरे अंधेरे में,बेटा खाए सवेरे में,पर यहाँ तो बेटा बाप की अर्थी को ही अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल की सीढ़ी बना रहा था। गजानन की आँखों में आँसू नहीं थे, बल्कि वह मन ही मन गणित लगा रहा था कि अंतिम संस्कार में कौन-कौन से वीआईपी आएंगे और उन सबके साथ चेक-इन करने से उसकी साख कितनी बढ़ेगी। नैतिकता यहाँ उस टूटी हुई खाट की तरह कोने में पड़ी सिसक रही थी, जिस पर लाला ने अपनी आखिरी रात काटी थी। पतन का यह पहला बिंब था, जहाँ लहू के रिश्तों पर डिजिटल लाइक्स की परत चढ़ चुकी थी और शोक अब केवल एक स्टेटस अपडेट बनकर रह गया था।

तभी वहाँ रसीद-कट्टा समाजसेवकों की एक पूरी जमात उतरी,जो लाला के घर को किसी बाजार की तरह तौलने लगी। इनमें प्रमुख थे परोपकार-भक्षी दीनदयाल जी,जिन्होंने आते ही लाला की लाश के सिरहाने एक बड़ा सा बैनर टाँग दिया–स्वर्गीय लाला जी की स्मृति में निःशुल्क शीतल जल सेवा। बैनर इतना बड़ा था कि बेचारे लाला की देह उसके नीचे दब गई। दीनदयाल जी ने अपनी जेब से दो केले निकाले और एक फटेहाल भिखारी को कैमरे की तरफ मुँह करवाकर थमा दिए। फोटोग्राफर को बार-बार हिदायत दी गई कि दाता का चेहरा बड़ा और याचक की लाचारी गहरी दिखनी चाहिए। यहाँ नेकी कर दरिया में डाल की लोकोक्ति दम तो चुकी थी और नेकी कर फेसबुक पर डाल का नया सरोकार जन्म ले चुका था। यह रुला देने वाला दृश्य था कि एक तरफ अर्थी सज रही थी और दूसरी तरफ लोग पुण्य के सेल्समैन बनकर अपनी ब्रांडिंग कर रहे थे। दीनदयाल जैसों के लिए लाला का मरना केवल एक ऐसा अवसर था, जहाँ वे अपनी दानवीरता का विज्ञापन मुफ्त में चला सकते थे। नैतिकता यहाँ उस नंगे भिखारी की तरह काँप रही थी,जिसे रोटी तो नहीं मिली पर उसके आत्मसम्मान की सरेआम नीलामी जरूर हो गई। श्मशान की ओर बढ़ते हुए मजमा और भी रंगीन हो गया।

विश्व को खतरे में डालते ट्रंप

अहंकार से भरे हुए हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

संजय गुप्त

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा,लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था।

वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा,उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा,लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका,जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे,जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे।

चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है,इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था।

महाराष्ट्र में कुर्सी के लिए वह हुआ जो कभी नहीं हुआ

हाईकमान भी रह गए हैरान

संजीव कुमार

राजनीति में जब भी कोई बड़ा उलटफेर होता है,तो कहावत झट से रख दी जाती है कि सियासत है ही संभावनाओं का खेल और इसमें कोई स्थायी दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं होता। हालांकि महाराष्ट्र निकाय चुनाव में पद की चाहत ने जिस तरह की संभावनाएं पैदा कर दीं,उससे बड़े-बड़े जानकार हैरान हैं। बीजेपी-कांग्रेस और बीजेपी-एआईएमआईएम का गठबंधन भले कुछ वक्त ही चला, पर इसने साबित कर दिया कि आज की राजनीति में विचारधारा से ज्यादा अहमियत सत्ता की है।

यह उलटफेर देखने को मिला है अंबरनाथ और अकोट नगर पालिका में। अंबरनाथ में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सत्ता से बाहर रखने के लिए बीजेपी,कांग्रेस और अजित पवार गुट की एनसीपी ने मिलकर अंबरनाथ विकास अघाड़ी बना लिया,जबकि अकोट में बीजेपी और एआईएम आईएम एक हो गए। महाराष्ट्र के

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस पर नाराजगी जताई है और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने एक विधायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जबकि कांग्रेस ने अंबरनाथ में अपने पार्षदों को सस्पेंड कर दिया है।

आमतौर पर स्थानीय स्तर पर नेताओं को परिस्थितियों के अनुसार फैसले लेने की छूट होती है। लेकिन, ये गठबंधन राज्य में बड़े स्तर पर चल रही सियासत का भी संकेत देते हैं। राज्य में सत्ताधारी बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच की अनबन कई बार सतह पर आ चुकी है। पिछले साल नवंबर में दोनों दलों ने एक-दूसरे पर नेताओं की पोचिंग यानी लालच देकर अपनी तरफ मिलाने का आरोप लगाया था। तब शीर्ष स्तर पर सहमति बनी थी कि दोनों एक-दूसरे के नेताओं को नहीं लेंगे। इससे आपसी असंतोष दब तो गया, पर लगता नहीं कि दूर हुआ। समझने वाली बात है कि सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दूसरे सहयोगी डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ रिश्ते भी नरम-गरम रहे हैं। भ्रष्टाचार से जुड़े उनके एक बयान को लेकर बीजेपी ने तल्ख प्रतिक्रिया दी है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

देश के 12 करोड़ पंजीकृत मजदूरों को साल में 50 दिन का रोजगार भी उपलब्ध नहीं करा पा रही सरकार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

रोजगार की गारंटी देने वाली मनरेगा योजना को मोदी सरकार द्वारा समाप्त किये जाने के विरोध में आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव जरिता लैतफलांग के नेतृत्व में गांधी चौक पर गांधीजी की प्रतिमा के सामने 1 दिवसीय उपवास और धरना प्रदर्शन किया। मनरेगा योजना में केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा बदलाव कर उसकी मूल भावना को समाप्त करने और योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विरोध में कांग्रेस ने 45 दिवसीय मनरेगा बचाओ संघर्ष के नाम से आंदोलन की घोषणा की है।

इसी परिप्रेक्ष्य में आज पूरे देश में जिला मुख्यालय पर 1 दिवसीय उपवास और धरना कार्यक्रम था। आज पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्य तिथि पर गांधी चौक पर उनके चित्र एवं गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रातः 9 बजे धरना कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शाम 4 बजे तक जारी इस उपवास का समापन गुड़-चूड़ा खाकर किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के साथ साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और मनरेगा मजदूर भी मौजूद थे। इस दौरान कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव और छत्तीसगढ़ की सहप्रभारी जरिता लैतफलांग ने कहा कि मनरेगा को समाप्त कर

मोदी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर रही है। उन्होंने कहा कि जबसे मोदीजी की सरकार बनी है तबसे वो मनरेगा में देश के 12 करोड़ पंजीकृत मजदूरों को साल में 50 दिन का रोजगार भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है और नयी योजना के नाम पर 125 दिन रोजगार का झांसा देने का विज्ञापन अखबारों में छपवा रही है। जिस देश के गांवों में सही ढंग से नेटवर्क नहीं है, बेतहाशा अशिक्षा है वहाँ रियल टाईम मोनिटरिंग के खोखले दावे वाले जुमले नई योजना के नाम पर फेंका जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि महात्मा गांधी जी के नाम से चल रही मनरेगा योजना से उनका नाम हटाने के उद्देश्य से जिस प्रकार सरकार ने हिंदी और अंग्रेजी के बेमेल जोड़ से नई योजना में प्रभु राम का नाम जोड़ा है वो प्रभु राम का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि नयी योजना लाकर मोदी सरकार ने न केवल रोजगार की गारंटी को अव्यवहारिक बना दिया है साथ ही रोजगार देने की प्रक्रिया से ग्राम पंचायतों को अलग कर ग्राम पंचायतों को भी कमजोर कर दिया है। गांधी चौक पर आयोजित सात घंटे के इस उपवास के दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमसाय सिंह एवं अमरजीत भगत,अजय अग्रवाल,डॉ अजय तिर्की,मो इस्लाम,रामविनय सिंह, विनय शर्मा,तिलक बेहरा,बलराम यादव, इंद्रजीत सिंह धंजल,अमित सिंहदेव,नारद गुप्ता,मुनेश्वर राजवाड़े,फुलसाय लकड़ा, संध्या रवानी,अनिमा केरकेट्टा, संजय सिंह, जमील खान,कलीम खान,मेराज गुड्डू, मो बाबर,लोकेश कुमार,अमित तिवारी राजा, विकल झा,आशीष जायसवाल,चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह,नीतीश चौरसिया,निकी खान, सतीश बारी,सोहन जायसवाल,शुभम जायसवाल,प्रमोद चौधरी,उत्तम राजवाड़े, अमित सिन्हा,सौरभ फिलिप,प्रीति सिंह, अमित सिंह,विकास केशरी,दिनेश शर्मा, सीपू सिंह,परवेज आलम गांधी,तरणराज सिंह, शिवांशु गुप्ता,संजर नवाज,नुजहत फातिमा, हमीदा,चंचला सांडिल्य,सपना सिन्हा, शकीला सिद्दकी,रश्मि सोनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी,कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांधीनगर में चाकू से युवक की हत्या मामले में युवती सहित तीन गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक युवक की चाकू से हत्या कर दी गई। हत्या का कारण एक मामूली विवाद था,जो एक युवती और उसके दो दोस्तों के बीच हुआ था। इस वारदात में पुलिस ने युवती और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। घटना की पूरी तस्वीर पुलिस ने शनिवार को मीडिया के सामने रखी,जिसमें हत्या की वजह और घटनाक्रम की जानकारी दी गई। पुलिस के मुताबिक,आरोपी युवती सुस्मिता हरिला उर्फ सोनिया और उसके दोस्त सुमित एक्का तथा प्रमोद तिवारी के बीच एक विवाद हुआ था। घटना 10 जनवरी की रात की है, जब सोनिया अपनी सहेली के किराए के कमरे में सुमित के साथ सोने गई थी। कमरे का ताला बंद होने पर दोनों ने ताला तोड़ दिया। इस दौरान मकान मालिक वहां पहुंच गया और बहस शुरू हो गई। अचानक मृतक बबलू मंडल, जो कि एक ठेले पर काम करता था,वहां पहुंचा और सोनिया व सुमित से गाली-गलौज करने लगा। यह सब होते देख दोनों वहां से निकल पड़े,लेकिन बबलू उनका पीछा करते हुए गांधीनगर के डेयरी फार्म रोड स्थित अंकिता एग सेंटर के पास पहुंच गया। बबलू मंडल के द्वारा फोन कर किसी को बुलाने की बात सुनकर सोनिया ने प्रमोद तिवारी को फोन कर बुला लिया। जब प्रमोद घटनास्थल पर पहुंचा,तो उसने बबलू मंडल से मारपीट शुरू कर दी। सोनिया भी प्रमोद का साथ देने लगी। इस बीच, सुमित ने अपने पास से चाकू निकाला और बबलू के सीने में घोंप दिया। घायल बबलू वहां से गिर पड़ा और तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में आरोपी

प्रमोद और सुमित कचरे में चाकू फेंकते हुए प्रमोद के घर चले गए और सो गए। स्थानीय पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और आरोपियों की निशानदेही के आधार पर जांच शुरू की। पुलिस ने रविवार को तीनों आरोपियों - सुस्मिता हरिला उर्फ सोनिया (22 वर्ष), सुमित एक्का (20 वर्ष),और प्रमोद तिवारी उर्फ टक्कू (21 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया और उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। घटना के बारे में गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी ने बताया कि यह हत्या पूरी तरह से एक मामूली विवाद का परिणाम थी, जो जल्द ही खूनी संघर्ष में बदल गया। पुलिस ने आरोपी सुमित के पास से चाकू बरामद कर लिया है,जिसे आरोपियों ने कचरे में फेंक दिया था।

स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने राहगीर से लूटे थे रुपए व मोबाइल,दो गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के महेशपुर जंगल के पस 30 दिसंबर की शाम को स्कूटी सवार तीन युवकों ने पैदल जा रहे युवक के हाथ से थैला लूटकर फरार हो गए थे। थैले में 10 हजार रुपए व एक मोबाइल था। मामले में दरिमा पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार बुचन राम नगेसिया ग्राम मोहनपुर पटेलपारा थाना दरिमा का रहने वाला है। वह 30 दिसंबर को अपने ससुराल पहाड़पारा से पैदल घर लौट रहा था। वह थैले में 10 हजार रुपए व एक मोबाइल रखा था। शाम करीब 4 बजे महेशपुर जंगल के पास पहुंचा ही था कि मोहनपुर की ओर से तीन व्यक्ति स्कूटी से पहुंचे और बुचन के हाथ से थैला लूटकर फरार हो गए। उसने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी नागेश्वर पैकरा उर्फ डोडू पिता मुन्ना पैकरा उम्र 24 वर्ष निवासी बंदना मांझापारा सीतापुर व खुशबू यादव पिता कुमार यादव उम्र 27 वर्ष निवासी काराबेल थाना सीतापुर को गिरफ्तार किया है। ये दोनों आरोपी एक अन्य के साथा मिलकर वारदाता को अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा धारा

304(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में मे थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक राजेश खलखो,साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा,प्रधान आरक्षक सुजीत पाल,प्रधान आरक्षक शत्रुधन सिंह,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान्, आरक्षक शेरशाह मिंज, अशोक कुमार, जितेश साहू सक्रिय रहे।

तेज रफ्तार कार हादसा...दो युवकों की मौत,चार घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

तेज रफ्तार के कारण सड़क हादसों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, और ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा अंबिकापुर से लगे ग्राम हर्राटिकरा में हुआ, जिसमें दो युवकों की जान चली गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना शनिवार शाम की है,जब एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर कई बार पलट गई। घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। हादसे का शिकार हुए युवकों की पहचान लकड़ापारा गांधीनगर निवासी आर्यन कुजूर (22 वर्ष) और उसके दोस्तों के रूप में हुई है। आर्यन अपनी मां,जो कि एक शिक्षिका हैं, की कार लेकर घूमने निकला था। साथ में उसके दोस्त जबलपुर के करजी रोड निवासी एंजिल विशाल तिर्की (21 वर्ष), ग्राम उदयपुर ढाब निवासी अमित कुजूर (19 वर्ष),और अनिमेष तिर्की (22 वर्ष) के अलावा दो युवतियां-निकिता केरकेट्टा (19 वर्ष) और तारा कुजूर (19 वर्ष) भी सवार थीं। दोनों युवतियां कॉलेज की स्टूडेंट थीं। कार की रफ्तार अत्यधिक तेज थी और सभी मस्ती करते हुए आ रहे थे। कार का संचालन एंजिल विशाल तिर्की कर रहा था, और घटना के समय उसकी रफ्तार बहुत तेज

थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,जैसे ही कार ग्राम हर्राटिकरा मोड़ पर पहुंची,चालक ने उसे नियंत्रित करने की कोशिश की,लेकिन तेज गति के कारण कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और मणिपुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कुछ लोग घायल युवकों को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। इस दौरान अस्पताल में इलाज के दौरान अमित कुजूर की भी मौत हो गई।

रफ्तार की बढ़ती समस्या

इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक एंजिल विशाल तिर्की और अमित कुजूर दोनों की मौत तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के कारण हुई। एंजिल विशाल तिर्की वर्तमान में रायकेरा में अपने ननिहाल में आया था और अंबिकापुर घूमने आया था,जबकि अमित कुजूर यहां रहकर पढ़ाई कर रहा था। इस हादसे से एक बार फिर यह साबित होता है कि तेज रफ्तार एक प्रमुख कारण बन गया है,जिसके कारण सड़क हादसों की संख्या में वृद्धि हो रही है। पुलिस और प्रशासन की कोशिशों के बावजूद, युवा वर्ग में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता की कमी दिखाई देती है।

मातम में डूबे परिवार

हादसे के बाद परिवारों में मातम छा गया है। दोनों मृतकों के परिजनों को शव सौंपे जाने के बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। यह हादसा उस समय हुआ जब सभी लोग किसी खास मकसद से साथ जा रहे थे, लेकिन तेज रफ्तार और लापरवाही ने उनकी जिंदगियों को चुरा लिया। अंबिकापुर में लगातार बढ़ते तेज रफ्तार हादसों को लेकर प्रशासन को और सख्त कदम उठाने की जरूरत है। सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन और युवा पीढ़ी को इस दिशा में जागरूक करने की आवश्यकता महसूस हो रही है,ताकि आने वाले समय में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

पशु तस्करी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

क्रूरता पूर्वक पशु तस्करी के किए जाने के मामले में बतौली पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पोकसरी थाना बतौली निवासी विश्वनाथ यादव ने 10 जनवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि ग्राम भटको लगरू चौक के पास 3 व्यक्ति 6 नग भैंसा को क्रूरता पूर्वक पैदल हांकते हुए तस्करी करने बुचडखाना ले जा रहे थे। पुलिस आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी तेजू दरगाह पिता सुखदेव बरगाह उम्र 45 वर्ष शिवरचन नरोशिया पिता सालहेर उम्र 50 वर्ष,मुनेश बरगाह पिता सुन्दर बरगाह उम्र 35 वर्ष सभी निवासी पाटीपारा थाना दरिमा व नवरत्न बरगाह पिता पीतांबर यादव उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम शिवनाथपुर थाना सीतापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 6 नग मवेशी जब्त किया है। पुलिस ने अरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से बाइक चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मरीज के परिजन की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है। जानकारी के अनुसार उदय राम ग्राम करसु थाना जयनगर का रहने वाला है। इसके पिता की तबियत खराब होने पर 14 दिसंबर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उदय 15 दिसंबर की शाम को खाना पहुंचाने बाइक से अस्पताल गया था। बाइक को परिसर में खड़ा कर वार्ड में चला गया। कुछ देर बाद वापस आया तो उसकी बाइक नहीं थी। अपने स्तर से खोबीन करने के बाद भी नहीं मिला तो वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

37वां सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जिले में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने की पहल

-संवाददाता-
सरगुजा,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

37वें सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सुरक्षित सड़क परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित शिविर के सम्बन्ध मे क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, अंबिकापुर ने बताया कि जिले के विभिन्न विकासखण्डों में लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जारी आदेश के अनुसार, कार्यालय अंतर्गत पंजीकृत परिवहन सुविधा केन्द्रों के माध्यम से निर्धारित तिथियों एवं स्थलों पर

सरगुजा पुलिस

लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जाएंगे,जहां आम नागरिक लर्निंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं का लाभ सरल एवं सुगम रूप से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही, शिविरों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों,सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। विकासखण्ड अंबिकापुर में 17 एवं 18 जनवरी 2026 को पी.जी. कॉलेज ग्राउंड, अंबिकापुर तथा 24 जनवरी 2026 को महिला कॉलेज, अंबिकापुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का संचालन अग्रवाल परिवहन सुविधा केन्द्र, शिवम् ऑनलाइन परिवहन सुविधा केन्द्र एवं अभिजीत परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा किया जाएगा। विकासखण्ड लखनपुर में 17 जनवरी 2026 को थाना लखनपुर परिसर में विजन परिवहन सुविधा केन्द्र एवं सरगुजा परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर लगाया जाएगा। विकासखण्ड उदयपुर में 17 जनवरी 2026 को थाना उदयपुर में सुरभि परिवहन सुविधा केन्द्र एवं महामाया परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर आयोजित होगा। विकासखण्ड सीतापुर में 17 जनवरी 2026 को थाना सीतापुर में अंकित परिवहन सुविधा केन्द्र एवं एक्का परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर लगाया जाएगा।विकासखण्ड लुण्ड्रा में 18 जनवरी 2026 को थाना लुण्ड्रा में प्रिंस परिवहन सुविधा केन्द्र एवं पटेल ऑनलाइन परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा। विकासखण्ड बतौली में 18 जनवरी 2026 को थाना बतौली में मनसा परिवहन सुविधा केन्द्र एवं गुलशन परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार विकासखण्ड मैनपाट में 18 जनवरी 2026 को थाना मैनपाट में गुप्ता कपील परिवहन सुविधा केन्द्र एवं सरगुजा परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी,अंबिकापुर ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना,सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा युवाओं एवं नए चालकों को सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक करना है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों एवं स्थलों पर आयोजित शिविरों में उपस्थित होकर लर्निंग लाइसेंस एवं सड़क सुरक्षा संबंधी सेवाओं का लाभ उठाएं तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने में सहयोग करें।

खड़गांवा में पशु चिकित्सकों ने किया सफल जटिल ऑपरेशन,बछड़े की बचाई जान...

-संवाददाता-
खड़गांवा,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिला एमसीबी के खड़गांवा गांव में पशुपालक राजकमल के नवजात बछड़े की गंभीर हालत को देखते हुए एमवीयू 1962 की टीम द्वारा एक जटिल शल्य चिकित्सा (सर्जरी) सफलता पूर्वक की गई। यह सर्जरी डॉ. विनोद सिंह एवं डॉ. बी. के. तांजे पैरावेट उपासना यादव और पंकज द्वारा पूरी चिकित्सकीय सावधानी और विशेषज्ञता के साथ की गई। बछड़ा जन्म के समय गंभीर स्तिथि में फसा था (जिसे डिस्टोकिया कहा जाता है)से ग्रसित था, जिससे उसकी और मादा गाय के जान को खतरा बना हुआ था। समय पर सूचना मिलने पर दोनों चिकित्सक तत्कालीन रात्रि 8:00 बजे मौके पर पहुँचे और तत्काल ऑपरेशन कर बछड़े की जान बचाई। कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद सर्जरी सफल रही।

ऑपरेशन के बाद बछड़े की स्थिति स्थिर है तथा उसमें सुधार देखा जा रहा है। पशुपालक राजकमल ने डॉ. विनोद सिंह और डॉ. बी. के. तांजे और टीम की तत्परता, मेहनत और मानवीय सेवा भावना की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं एमवीयू 1962 की उपयोगिता और पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।

तम्बाकू देने से मना करने पर भाभी को पीटा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

तम्बाकू देने से मना कर दी तो देवर ने गाली गलौज कर भाभी की पिटाई कर दी। घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कदम बाई लखनपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। 1 जनवरी को रात को वह घर में अकेली थी। पति व बेटा बाहर गए थे। वह अपने देवर कृष्णा को खाना खिलाई। देवर खाना खाने के बाद भाभी से तम्बाकू मांगने लगा। मना करने पर वह गाली-गलौज करते हुए भाभी की पिटाई कर दी। महिला ने ममाले की रिपोर्ट लखनपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जांच हुई, घोटाला पकड़ा गया...फिर चुप्पी क्यों?

शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र में 13 हजार बोरी की कमी, प्रशासन मौन

- धान घोटाले की जांच के बाद भी सच पर ताला
- शिवप्रसादनगर मामले में कार्रवाई सार्वजनिक करने से बचता प्रशासन
- 13 हजार बोरी धान गायब,कार्रवाई की जानकारी भी गायब
- शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र में घोटाला और प्रशासनिक चुप्पी
- घोटाला साबित...फिर भी पर्दा डालने की कोशिश ?

शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र जांच पर उठे गंभीर सवाल,धान घोटाले पर कार्रवाई छुपी क्यों ?

शिवप्रसाद नगर केंद्र में जांच के बाद भी प्रशासन मौन, 13 हजार या 25 हजार बोरी?

शिवप्रसाद नगर धान घोटाले में जांच,आंकड़े और प्रशासन कटघरे में

-शमरोज खान-

सूरजपुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर के शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में लंबे समय से चल रहे कथित धान घोटाले को लेकर दैनिक घटती घटना द्वारा लगातार प्रकाशित खबरों के बाद आखिरकार प्रशासनिक अमला जांच के लिए मौके पर पहुंचा,यह जांच शनिवार को दोपहर 12 बजे से शाम 8 बजे तक करीब 6 घंटे चली, लेकिन इतने लंबे समय के बाद भी न तो धान की सटीक गिनती हो सकी और न ही संदेह के घेरे में आए आंकड़ों पर पूरी तरह से स्थिति स्पष्ट हो पाई। बता दे की शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र में सामने आए बहुचर्चित धान घोटाले की जांच के बाद अब एक नया और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है कार्रवाई की जानकारी को सार्वजनिक करने से प्रशासन क्यों बचता नजर आ रहा है? जांच दल द्वारा मौके पर पहुंचकर घंटों मशक्कत करने, भारी मात्रा में धान की कमी पाए जाने और मामला उजागर होने के बावजूद प्रशासनिक तंत्र की चुप्पी और देरी ने पूरे प्रकरण को और अधिक संदिग्ध बना दिया है, दैनिक घटती घटना द्वारा 07 और 10 जनवरी 2026 को प्रकाशित खबरों ने जिस बड़े घोटाले की ओर इशारा किया था, प्रशासनिक जांच ने उसकी पुष्टि तो कर दी है, लेकिन पूरी सच्चाई अब भी परदे में है, सबसे बड़ा सवाल यही है क्या 13,000 बोरी की कमी ही अंतिम सच है,या सच इससे कहीं ज्यादा बड़ा और डरावना है? अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन आगे निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई करता है या यह मामला भी फाइलों और आंकड़ों के बीच दबकर रह जाएगा।

पूर्व में प्रकाशित खबरों से हिला प्रशासन

गौरतलब है कि दैनिक घटती-घटना ने 07 जनवरी 2026 के अंक में शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र में 'बड़ा घोटाला?' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी, जिसमें यह बताया गया था कि कागजों में 65 हजार क्विंटल धान की खरीदी दर्शाई गई है, जबकि गोदामों में वास्तविक भंडारण नदारद या बेहद कम प्रतीत हो रहा है, इसके बाद 10 जनवरी 2026 के अंक में प्रकाशित दूसरी रिपोर्ट में इस केंद्र को 'संगठित लूट का अड्डा' करार देते हुए धान खरीदी से जुड़े पूरे तंत्र, कथित तिकड़ी और संरक्षण देने वाले सिस्टम पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। इन्हीं खबरों के दबाव के चलते प्रशासन को जांच के लिए मैदान में उतरना पड़ा।

जांच शुरू, लेकिन अव्यवस्था हावी

शनिवार को हुई जांच में राजस्व विभाग,सहकारिता विभाग और खाद्य विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से शामिल रहे,जांच की शुरुआत तो हुई,लेकिन मौके पर पहुंचते ही टीम को कई स्तरों पर अव्यवस्था का सामना करना पड़ा,धान के बोरों के चट्टे इस तरह लगाए गए थे कि गिनती करने में भारी परेशानी हुई, सूत्रों का कहना है कि यह कोई संयोग नहीं,बल्कि पुरानी और सोची-समझी व्यवस्था है,ताकि जांच करने वाला अमला भ्रमित हो जाए और वास्तविक कमी सामने न आ सके।

13 हजार बोरी की कमी,लेकिन सवाल कायम

लंबी मशक्कत के बाद प्रशासनिक जांच में करीब 13,000 बोरी धान की कमी दर्ज की गई। राजस्व विभाग की ओर से इस आंकड़े को फिलहाल अंतिम बताया गया है, हालांकि,सूत्रों और स्थानीय जानकारों का दावा है कि यदि चट्टों को पूरी तरह हटाकर,व्यवस्थित ढंग से भौतिक सत्यापन किया जाता, तो 25,000 बोरी से कम धान की कमी नहीं निकलती,यानी जो आंकड़ा सामने आया है, वह केवल 'आधी सच्चाई' हो सकता है।

सूत्रों के गंभीर आरोप

सूत्रों का आरोप है कि राजस्व अमला जहां वास्तविक स्थिति देखकर असहज नजर आया, वहीं सहकारिता और खाद्य विभाग केंद्र प्रबंधन को बचाने में जुटे दिखे, आरोप है कि गिनती को पूरी पारदर्शिता से करने के बजाय आंकड़ों को 'मैनेज' करने का प्रयास किया गया,ताकि घोटाले का दायरा सीमित दिखाया जा सके।

हर बार विवादों में रहा है केंद्र

यह पहला मौका नहीं है जब शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र सवालों के घेरे में आया हो,इसके बावजूद न तो सिस्टम में सुधार हुआ और न ही जिम्मेदारों पर कोई ठोस, नजीर बनने वाली कार्रवाई हो सकी,नतीजा यह है कि यह केंद्र अब क्षेत्र में धान घोटाले का स्थायी केंद्र बिंदु बनता जा रहा है।

किसानों और ग्रामीणों में आक्रोश-

जांच के दौरान और उसके बाद किसानों व ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली, लोगों का कहना है कि जब कमी 13,000 बोरी भी मान ली जाए,तो यह कोई छोटी गड़बड़ी नहीं,बल्कि करोड़ों रुपये के नुकसान का मामला है,ग्रामीणों की मांग है कि वर्तमान समिति कर्मचारियों और प्रभारी को तत्काल हटाया जाए,स्वतंत्र एजेंसी या उच्चस्तरीय जांच टीम से दोबारा भौतिक सत्यापन और गहन जांच कराई जाए।

कार्रवाई हुई,लेकिन जानकारी गायब

जांच पूरी होने के बाद न तो जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया गया, न ही जनसंपर्क विभाग को कार्रवाई की ठोस जानकारी उपलब्ध कराई गई,स्थिति यह रही कि दिनभर पत्रकार,सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को फोन लगाते रहे,लेकिन हर बार एक ही जवाब मिला जानकारी मांगी गई है, अभी तक प्राप्त नहीं हुई है,यह जवाब अपने आप में कई सवाल खड़े करता है,क्या जांच रिपोर्ट अब तक तैयार नहीं हुई? या फिर रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे सार्वजनिक करने से जानबूझकर रोका जा रहा है? सूत्रों के अनुसार,जांच के तत्काल बाद ही कमी का आंकड़ा सामने आ गया था, ऐसे में सूचना साझा न करने की यह स्थिति सामान्य नहीं कही जा सकती।

सूचना देने में देरी या सोची-समझी चुप्पी?

प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि जांच दल को मौके पर चट्टों की जटिल व्यवस्था में उलझाकर वास्तविक स्थिति से भटकाया गया, इसी कारण आधिकारिक तौर पर केवल 13,000 बोरी धान की कमी दर्ज हो पाई, जबकि जमीनी जानकारों और स्थानीय लोगों का दावा है कि यदि व्यवस्थित ढंग से चट्टों को हटाकर पूरी गिनती होती,तो 25,000 बोरी से कम धान की कमी नहीं निकलती, अब सवाल यह उठता है कि क्या जांच दल को वास्तव में गुमराह किया गया? या फिर घोटाले के दायरे को सीमित रखने के लिए जानबूझकर अधूरी जांच की गई?

13,000 बोरी भी 'छोटा' घोटाला नहीं

सूत्रों के माने तो भले ही प्रशासन 13,000 बोरी की कमी को अंतिम मान रहा हो, लेकिन यह आंकड़ा भी मामूली नहीं है, इतनी बड़ी मात्रा में धान की कमी सीधे तौर पर करोड़ों रुपये के आर्थिक नुकसान की ओर इशारा करती है,सबसे अहम सवाल यह है कि यह धान न तो धान खरीदी केंद्र में मौजूद है, न ही मिलरों तक पहुंचने का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड है, तो आखिर यह धान गया कहां? क्या यह धान अवैध रूप से खुले बाजार में बेचा गया? कागजों में खरीदी दिखाकर राशि का बंदरबांट कर लिया गया? या फिर इसे किसी और केंद्र/मिल के नाम पर खपा दिया गया? इन सवालों का जवाब दिए बिना किसी भी जांच को पूर्ण नहीं माना जा सकता।

अब कार्रवाई क्या होगी?

स्थानीय लोगों और किसानों की निगाहें अब जिला प्रशासन, सहकारिता विभाग और खाद्य विभाग पर टिकी हैं, लोग खुलकर सवाल पूछ रहे हैं क्या इस मामले में एफआईआर दर्ज होगी? क्या जिम्मेदार समिति प्रबंधक,केंद्र प्रभारी और संबंधित अधिकारियों पर आपराधिक कार्रवाई की जाएगी? क्या गबन किए गए धान की भरपाई दोषियों से कराई जाएगी? या फिर हमेशा की तरह जांच रिपोर्ट फाइलों में बंद हो जाएगी,और वही लोग आगे भी धान खरीदी की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे?

पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा प्रश्नचिह्न

इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कार्रवाई के बाद भी जानकारी छिपाई जा रही है,जिससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं न कहीं किसी को बचाने की कोशिश हो रही है, यदि प्रशासन निष्पक्ष है,तो उसे चाहिए कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे, कमी का वास्तविक आंकड़ा स्पष्ट करे,और आगे की कार्रवाई की समय-सीमा तय करे।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

ट्रंप की धमकी पर भड़का ईरान...हमला किया तो इस्राइल के साथ अमेरिकी सेना बनेगी निशाना

दुबई,11 जनवरी 2026 । ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इस्राइल पर वैध निशाना होंगे। मोहम्मद बगेर कालिबाफ की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरान पर हमले के बाद संभावित निशानों की सूची में इस्राइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरानी संसद में सांसद 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए मंच पर चढ़ गए। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजना के बारे में एक बड़ा संकेत दिया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को उन्हें ईरान पर हमले के संभावित विकल्पों के बारे में जानकारी दी।

अमेरिकी हमले की आशंका से हाई अलर्ट पर इस्राइल : रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले की आशंका के मद्देनजर इस्राइल हाई अलर्ट पर है। रिपोर्ट में हफ्ते के आखिरी में इस्राइली सुरक्षा बैठकों में भाग लेने वाले तीन लोगों का हवाला दिया गया है। दावा किया गया है कि इस्राइलल ईरान में अमेरिका की ओर से संभावित कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि फोन पर हुई बातचीत के दौरान इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना के बारे में बात की। वहीं, डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अमेरिकी सेना को ग्रीनलैंड पर संभावित आक्रमण के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार करना शुरू करने के निर्देश दिए। हालांकि, ट्रंप के निर्देश पर शीर्ष सैन्य अधिकारियों की ओर से विरोध जताया गया। उन्होंने इसकी वैधता और राजनीतिक व्यवहार्यता दोनों पर सवाल उठा रहे हैं।

पाकिस्तान में गैस सिलेंडर ब्लास्ट नवविवाहित जोड़े सहित 8 की मौत

इस्लामाबाद,11 जनवरी 2026 । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार तड़के हुए गैस सिलेंडर विस्फोट में एक नवविवाहित जोड़े सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा सेक्टर त-7/2 में एक घर में हुआ, जहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। विस्फोट इतना तेज था कि घर ढह गया और आसपास के चार मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 19 लोगों को बाहर निकाला, जिनमें कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में आपातकाल घोषित किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फटने की बात सामने आई है।

भ्रष्टाचार की 'पापड़' वाली सड़क

भरतपुर में 5 दिन भी नहीं टिकी पक्की सड़क,हाथों से उखड़ रहा डामर

ग्रामीणों में भारी आक्रोश

ग्राम नौढीया के ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए किसी सपने से कम नहीं थी। वर्षों से खराब रास्तों के कारण मरीजों,छात्रों और किसानों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। जब सड़क बनी तो उम्मीद जगी,लेकिन अब वही सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई,ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार, इंजीनियर और निगरानी तंत्र की मिलीभगत के बिना ऐसा घटिया निर्माण संभव नहीं है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

क्षेत्र के युवाओं ने सड़क की बदहाली का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया है, वीडियो में साफ देखा जा सकता है लोग हाथ से डामर उखाड़ रहे हैं, नीचे सिर्फ धूल और मिट्टी नजर आ रही है, कहीं भी मजबूत बेस या परत दिखाई नहीं देती, वीडियो वायरल होने के बाद मामला अब जिले भर में चर्चा का विषय बन गया है।

-राजन पाण्डेय-
एमसीबी,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले के भरतपुर विकासखंड से विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का एक चौंकाने वाला और शर्मनाक मामला सामने आया है, यहाँ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई नई पक्की सड़क महज 5 से 7 दिनों के भीतर ही उखड़ने लगी है, जिस सड़क के लिए ग्रामीणों ने वर्षों तक इंतजार किया,करोड़ों रुपये का बजट खर्च हुआ, वही सड़क अब 'पापड़' की तरह टूटती और बिखरती नजर आ रही है, भरतपुर ब्लॉक के ग्राम नौढीया में बनी इस सड़क की हालत देखकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है, लोग सवाल कर रहे हैं कि अगर सड़क पहली बारिश भी नहीं झेल पाएगी, तो फिर करोड़ों रुपये आखिर गए कहाँ? भरतपुर के ग्राम नौढीया की यह सड़क केवल एक निर्माण कार्य नहीं,बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं में फैले भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण बन चुकी है,अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस 'पापड़ सड़क' मामले में ईमानदार कार्रवाई करता है या फिर यह भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल ग्रामीणों के आरोप और सामने आए वीडियो सड़क निर्माण की पोल खोल रहे हैं...

7 दिन की भी नहीं उम्रः सड़क निर्माण को अभी एक सप्ताह भी पूरा नहीं हुआ और डामर की परत जमीन छोड़ने लगी है...

पापड़ जैसी हालतः डामर की परत ऐसे टूट रही है, मानो मिट्टी के ऊपर सिर्फ दिखावे के लिए बिछा दी गई हो...

हाथों से उखड़ रहा डामरः लोग अपने हाथों और पैरों से डामर की गिट्टियाँ निकाल रहे हैं, सड़क पर चलना तो दूर, खड़े रहना भी मुश्किल है...

मानकों की खुली अनदेखी ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में न्यूनतम तकनीकी...

मानकों का भी पालन नहीं किया गया

सड़क बिछाने से पहले धूल-मिट्टी साफ नहीं की गई मजबूत बेस तैयार नहीं किया गया

रोलर का सही तरीके से उपयोग नहीं हुआ

घटिया क्वालिटी की सामग्री से केवल कागजों में सड़क तैयार कर दी गई प्रत्यक्षदर्शियों का

ग्रामीणों की साफ मांग नाराज ग्रामीणों ने प्रशासन से तीन प्रमुख मांगें रखी हैं...

पूरे सड़क निर्माण की उच्च स्तरीय जांच हो...

दोषी ठेकेदार और लापरवाह इंजीनियरों पर सख्त कार्रवाई की जाए...

सड़क का पुनर्निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए...

प्रशासनिक चुप्पी पर सवाल

इतना बड़ा मामला सामने आने के बावजूद अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या बयान सामने नहीं आया है,इससे लोगों में यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं इस मामले को भी कागजों में 'ऑल इज वेल' दिखाकर दबा न दिया जाए।

ग्रामीण की पीड़ा

एक स्थानीय ग्रामीण ने आक्रोशित स्वर में कहा सालों का इंतजार और करोड़ों का बजट नतीजा यह है कि पहली बारिश तो दूर,यह सड़क सामान्य चलने से ही उखड़ रही है,यह जनता के भरोसे और सहनशीलता के साथ खुला खिलवाड़ है।

विकसित भारत के नए अध्याय की शुरुआतः जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

वीबी जी राम जी जनजागरण अभियान हेतु जिला व मंडल स्तरीय टोली की घोषणा

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव के निर्देशानुसार वीबी जी राम जी (विकसित भारत-ग्राम) जनजागरण अभियान को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने जिला स्तरीय एवं मंडल स्तरीय टोली की घोषणा करते हुए इसे विकसित भारत के नए अध्याय की शुरुआत बताया,जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि यह जनजागरण अभियान ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने, विकास योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने और केंद्र-राज्य सरकार की नीतियों को जमीनी स्तर पर उतारने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य है कि हर गांव समृद्ध बने और हर हाथ को रोजगार मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता से छत्तीसगढ़,विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अभियान ग्रामीण जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा और भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत आधार तैयार करेगा,वीबी जी राम जी जनजागरण अभियान के लिए जिला एवं मंडल स्तरीय टोली की घोषणा भाजपा की उस रणनीति का हिस्सा है,जिसके तहत विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा,यह पहल न केवल संगठन को मजबूत करेगी,बल्कि ग्रामीण भारत को विकसित भारत के सपने से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी बनेगी।

ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि विकसित भारत वीबी जी राम जी बिल के राज्य स्तर पर क्रियान्वयन की रूपरेखा शीघ्र स्पष्ट होगी। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी, आधारभूत संरचना को मजबूत करेगी,और गांवों में विकास की नई गति लाएगी।

जिला स्तरीय टोली की घोषणा-

वीबी जी राम जी जनजागरण अभियान के लिए जिला स्तरीय टोली में निम्न दायित्व तय किए गए हैं जिला संयोजक कपिल जायसवाल, सह संयोजक ईश्वर राजवाड़े,तीरथ राजवाड़े,जगनारायण साहू यह टोली पूरे जिले में अभियान की निगरानी,समन्वय और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी निभाएगी।

मंडल स्तरीय टोली की सूची

अभियान को मंडल स्तर तक मजबूत करने के लिए अलग-अलग मंडलों में संयोजक एवं सदस्यों की नियुक्ति की गई है...

बैकुण्ठपुर मंडल
संयोजकः रमन गुप्ता
सदस्यः रवि त्रिपाठी, संतोष राजवाड़े, हरिओम साहू

चरचा महल
संयोजकः अमित कुमार
सदस्यः कुण्डल साय,संजय देवागन,राजनपाल

हसलाल / सलका महल
संयोजकः हसलाल कुर्रे
सदस्यः रामाशंकर सिंह,रामसुंदर राजवाड़े, शिव प्रसाद

कुडेली मंडल
संयोजकः संतोष साहू
सदस्यः अनिल साहू,बसत सिंह, जगदीश जायसवाल

पटना मंडल
संयोजकः सचिदानंद द्विवेदी
सदस्यः सुनील सिंह,संतोष सिंह, सूरज राजवाड़े

बचरापोड़ी मंडल
संयोजकः राम प्रताप साहू
सदस्यःश्यामनारायण जायसवाल, राम कुमार यादव, लक्ष्मी यादव

सोनहत महल
संयोजकः सुरेश राजवाड़े
सदस्यः सुरेश तिवारी,अनिल जायसवाल,राजेश साहू

मनरेगा पर कांग्रेस का तीखा हमला,मोदी सरकार पर गरीब-विरोधी नीति का आरोप

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़ में आज कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा कानून में केंद्र सरकार द्वारा किए गए बदलावों के विरोध में जोरदार प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने अलग-अलग लेकिन बेहद तीखे बयानों के जरिए मोदी सरकार पर गरीब, मजदूर और ग्रामीण भारत विरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाया, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि मनरेगा में बदलाव को वह गरीब-विरोधी साजिश मानती है और इसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेगी।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सौरव मिश्रा

उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा की मजदूरी का पूरा भुगतान केंद्र सरकार करती थी,जिससे काम निर्बाध चलता था, अब 40त्न राशि राज्यों पर डालकर केंद्र चाहती है कि राज्य खर्च बचाने के लिए काम ही न दें। यह संघीय ढांचे और गरीबों दोनों के खिलाफ फैसला है।

एक स्वर में आंदोलन की चेतावनी

प्रेस वार्ता में मौजूद सभी नेताओं ने एकजुट होकर कहा कि कांग्रेस पार्टी मनरेगा और गरीब मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी और जरूरत पड़ी तो जनआंदोलन भी किया जाएगा, इस दौरान महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूमा चटर्जी,निर्मला चतुर्वेदी,पूनम सिंह और रामनरेश पटेल भी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा

नोबेल वर्मा ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं बल्कि गरीबों को मिला संवैधानिक अधिकार था, केंद्र सरकार ने राज्यों की हिस्सेदारी घटाकर इस योजना को कमजोर कर दिया है,जो मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश है। यह फैसला सीधे तौर पर मजदूरों के खिलाफ है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव

उन्होंने कहा कि भाजपा 100 दिन रोजगार का झूठा प्रचार कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि पिछले 11 वर्षों में औसतन 38 दिन से अधिक काम नहीं मिला, छत्तीसगढ़ के अधिकांश गांवों में महीनों से मनरेगा बंद है और ग्रामीण बेरोजगारी झेल रहे हैं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों

गुलाब कमरों ने कहा कि मनरेगा ने दो दशकों तक करोड़ों ग्रामीण परिवारों को सम्मान के साथ जीने का सहारा दिया। कोविड काल में भी यही योजना गरीबों की ढाल बनी, लेकिन भाजपा सरकार अब यह सुरक्षा छीन रही है, यह सामाजिक न्याय पर सीधा हमला है।

विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह

रमेश सिंह ने आरोप लगाया कि नए सिस्टम में सरकार तय करेगी कि किसे काम मिलेगा और किसे नहीं। पंचायतों की भूमिका खत्म कर दी गई है, जिससे गांवों के विकास पर ब्रेक लग गया है। फसल कटाई के समय काम न देना गरीबों को जानबूझकर भूखा रखने जैसा है।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल-

प्रभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार भगवान राम के नाम पर योजनाओं का नामकरण कर जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि असलियत में गरीबों के रोजगार और मजदूरी के अधिकार छीने जा रहे हैं, इसका सबसे ज्यादा असर महिला मजदूरों पर पड़ेगा।

सीएम कार्यक्रम में अव्यवस्था से आक्रोशित पत्रकारों ने कार्यक्रम का किया बहिष्कार

-संवाददाता-
कोरबा,11 जनवरी 2026(घटती-घटना)।
कोरबा में आयोजित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कार्यक्रम में पत्रकारों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था नहीं होने से पत्रकारों में भारी नाराजगी देखने को मिला । तेज धूप एवं बैठने की समुचित व्यवस्था न होने से पत्रकार जमीन पर बैठने को हुए मजबूर। पत्रकारों ने इसे अपमानजनक और अव्यवस्थित व्यवस्था बताते हुए कार्यक्रम का सामूहिक रूप से बहिष्कार कर दिया। नाराज पत्रकारों ने इस लापरवाही को लेकर प्रशासन और कार्यक्रम के आयोजकों के प्रति विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का कवरेज न करने का निर्णय लिया। उनका कहना था कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गौरा-गौरी की पूजा कर प्रदेशवासियों के खुशहाली की कामना

-संवाददाता-
कोरबा,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री साय ने कोरबा नगर के पावन महर्षि वाल्मीकि आश्रम में भगवान शिव और माता पार्वती के प्रति आस्था के प्रतीक गौरा-गौरी की विधिवत पूजा-अर्चना की। साथ ही उन्होंने आश्रम परिसर में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की मूर्तियों की भी श्रद्धापूर्वक पूजा की। इस अवसर पर सीएम श्री साय ने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की तथा कहा कि यह पावन स्थल हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और मूल्यों का प्रतीक है, जो समाज में शांति, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न की। उन्होंने कहा कि गौरा-गौरी पूजा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना से जनकल्याण,प्राकृतिक संतुलन और सामाजिक समरसता का मार्ग प्रशस्त होता है।

इस अवसर पर वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी,सार्वजिनक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, नगर निगम महापौर संजू देवी राजपूत, पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर, आईजी डॉक्टर संजीव शुक्ला, कलेक्टर कुणाल दुदावत, एसपी सिद्धार्थ तिवारी,अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, गोपाल मोदी, पनत राम भगत, बीरबल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि,विभागीय अधिकारी, गणमान्य नागरिक, बड़ी संख्या में जनजाति समुदाय के लोग उपस्थित थे।

हर गांव समृद्ध और हर हाथ को काम मिलेगा:हरपाल सिंह भामरा

विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने 'जीरामजी' बिल मील का पत्थर : भाजपा

रोजगार के दिन बढ़ेंगे,भुगतान होगा तेज उन्होंने बताया कि जीरामजी बिल में ग्रामीणों के लिए कई क्रांतिकारी प्रावधान किए गए हैं...

हर ग्रामीण परिवार को 125 दिन के रोजगार की गारंटी

वन क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को अतिरिक्त 25 दिन का रोजगार...

काम के दिन बढ़ने के साथ-साथ मजदूरी का भुगतान भी तेजी से किया जाएगा...

मनरेगा के विपरीत, हर सप्ताह भुगतान की व्यवस्था संभव होगी, जबकि पहले 15 दिन तक इंतजार करना पड़ता था...

चार प्राथमिकताओं पर केंद्रित है नया कानून उन्होंने कहा कि नए जीरामजी कानून का फोकस चार प्रमुख प्राथमिकताओं पर है...

जल संबंधी कार्य -जल सुरक्षा से खेती को मिलेगा बढ़ावा

कोर ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण सड़कों और कनेक्टिविटी से बाजार तक आसान पहुंच

आजीविका से जुड़े बुनियादी ढांचे का विकास भंडारण और आजीविका संपत्तियों से आय में वृद्धि

खराब मौसम से काम में कमी को कम करना जलवायु अनुकूल कार्यों से गांव होंगे सशक्त उन्होंने कहा कि यह सभी पहलें मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी...

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया द्वारा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अंतर्गत जीरामजी से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता का आयोजन विश्राम गृह,बैकुण्ठपुर में किया गया। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि यह कानून गरीब, जनजाति और पिछड़े वर्गों के लिए रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रखेगा। उनका स्पष्ट संदेश था–÷हर गांव समृद्ध होगा और हर हाथ को काम मिलेगा, बैकुण्ठपुर में आयोजित यह प्रेसवार्ता स्पष्ट संकेत देती है कि विकसित भारत 2047 का सपना केवल नारा नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार, बुनियादी ढांचे और सामाजिक सम्मान के ठोस रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है। जीरामजी बिल को भाजपा नेताओं ने ग्रामीण भारत के लिए ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम बताया, जो आने वाले वर्षों में गांवों की तस्वीर बदलने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

गरीब की गरिमा और रोजगार दोनों सुनिश्चित करेगी योजना

हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य केवल रोजगार देना नहीं, बल्कि रोजगार के साथ श्रमिक की गरिमा का सम्मान करना है। इसी सोच के तहत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पूरा बिल महात्मा गांधी की सोच के अनुरूप है और रामराज्य की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मनरेगा में सबसे ज्यादा निवेश मोदी सरकार ने किया-

हरपाल सिंह भामरा ने आंकड़ों के साथ बताया कि मनरेगा पर अब तक कुल 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिनमें से 8.53 लाख करोड़ रुपये अकेले मोदी सरकार के कार्यकाल में खर्च हुए हैं। यह आंकड़ा केंद्र सरकार की ग्रामीण रोजगार के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है

किसानों के हित में विशेष प्रावधान,जीरामजी बिल में किसानों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है...

भामरा ने बताया कि बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिन तक काम बंद रहेगा, ताकि खेती के समय मजदूरों की कमी न हो, जबकि मनरेगा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, यह व्यवस्था कृषि और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की मजबूत उपस्थिति

प्रेसवार्ता में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा,भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी,पूर्व नपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे,जिला उपाध्यक्ष बसंत राय, अनिल साहू,रविशंकर राजवाड़े,राजेश सिंह,चुन्नी पैकरा,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल,जिला पंचायत सदस्य संगीता सोनवानी,जिला मंत्री प्रदीप तिवारी,ईश्वर राजवाड़े, कृष्णवती यादव,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,सह मीडिया प्रभारी वर्षा साहू,गणेश यादव,सह सोशल मीडिया प्रभारी राकेश गुप्ता,मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक,भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े,जिला महामंत्री मनोज साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव,आईटी सेल जिला संयोजक हरिओम साहू, सुभाष साहू, बिजेंद्र जायसवाल,नूर मोहम्मद, मनोज सोनवानी,आँचल सिंह,संतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मनरेगा बचाओ संग्रामः कांग्रेस का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

10 जनवरी से 26 फरवरी तक जिलेभर में आंदोलन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे बदलावों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी,कोरिया ने आज जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने मनरेगा को अधिकार आधारित कानून बताते हुए कहा कि इसे कमजोर करना ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और किसानों के हितों के खिलाफ है, प्रेस वार्ता में पत्रकार वार्ता के प्रभारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता, मनरेगा बचाओ संग्राम के जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक गुलाब कमरो, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के साथ ही जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि मनरेगा को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह लड़ाई केवल एक कानून की नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के हक,सम्मान और रोजगार की है।

मनरेगा की आत्मा पर हमलाः कांग्रेस

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ग्रामीण भारत को मिला संवैधानिक अधिकार है,केंद्र सरकार द्वारा हिस्सेदारी घटाना, भुगतान व्यवस्था में बदलाव करना और काम के दिनों को सीमित करना मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश है। इससे गांवों में बेरोजगारी बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

अलग-अलग नेताओं के तीखे आरोप

राकेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार 100 दिन रोजगार का दावा करती है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश गांवों में महीनों से मनरेगा का काम बंद पड़ा है। यह सीधे तौर पर गरीबों के पेट पर लात मारने जैसा है।

गुलाब कमरो ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान मनरेगा ने करोड़ों परिवारों को सम्मान के साथ जीने का सहारा दिया था। आज उसी सुरक्षा कवच को छीना जा रहा है, जो सामाजिक न्याय पर सीधा हमला है। प्रदीप गुप्ता ने आरोप लगाया कि नए प्रावधानों से पंचायतों की भूमिका लगभग खत्म कर दी गई है, जिससे गांवों का विकास रुक गया है और मजदूरों को अपने ही अधिकारों के लिए भटकना पड़ रहा है।

10 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक 'मनरेगा बचाओ संग्राम'

कांग्रेस कार्यसमिति के निर्णय के अनुसार जिलेभर में 10 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक मनरेगा बचाओ संग्राम चलाया जाएगा। इसके तहत गांव-गांव जनजागरूकता अभियान,धरना-प्रदर्शन,ज्ञापन सौंपना,आंदोलनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि पार्टी सड़क से सदन तक मनरेगा और गरीब मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी और जरूरत पड़ी तो जनआंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सूरजपुर जिले के चौथे कलेक्टर दीपक सोनी बने स्वास्थ्य मंत्रालय में डायरेक्टर

सूरजपुर से कलेक्ट्री की शुरुआत, अब दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर/रायपुर,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ कैडर के 2011 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक सोनी को भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में उन्हें डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है,राज्य सरकार ने उनकी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति को स्वीकृति दे दी है, जिसके बाद वे शीघ्र ही दिल्ली में पदभार ग्रहण करेंगे, वर्तमान में वे बलौदाबाजार जिले के कलेक्टर के रूप में पदस्थ हैं,दीपक सोनी अपनी कार्यकुशल प्रशासनिक क्षमता, नवाचारों और जमीनी कार्यशैली के लिए लगातार चर्चा में रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें केंद्र सरकार में यह अहम जिम्मेदारी दी गई है।

मूलतः दुर्ग के निवासी,युपीएससी में हासिल की 120 वीं रैंक

युवा आईएएस अधिकारी दीपक सोनी मूल रूप से दुर्ग जिले के निवासी हैं। उनका जन्म 1 जनवरी 1985 को हुआ। उन्होंने कॉमर्स विषय से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पीएससी की तैयारी कर 120वीं रैंक हासिल की, उन्होंने 29 अगस्त 2011 को भारतीय प्रशासनिक सेवा जॉइन की।

सूरजपुर में संवेदनशील प्रशासन की मिसाल बने दीपक सोनी

सूरजपुर जिले में कलेक्टर रहते हुए आईएएस दीपक सोनी ने मानवीय संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया, कोरोना काल में एक बुजुर्ग दंपति गंभीर बीमारी से पीड़ित था और इलाज के लिए बाहर जाने में असमर्थ था,कलेक्टर ने स्वयं संज्ञान लेते हुए घर तक जरूरी दवाइयां भिजवाने की व्यवस्था कराई,यह पहल न केवल बुजुर्ग दंपति के लिए राहत बनी,बल्कि आम जनता के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास को भी मजबूत किया। यह घटना आज भी सूरजपुर में संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की मिसाल के रूप में याद की जाती है।

बलौदाबाजार में संकट काल में दिखाई मजबूत नेतृत्व क्षमता

वर्ष 2024 में बलौदाबाजार में हुए भीषण अग्निकांड के बाद बने तनावपूर्ण हालात में विष्णुदेव साय सरकार ने दीपक सोनी को जिले का कलेक्टर नियुक्त किया,उन्होंने हालात को शांतिपूर्वक संभाला,जनता से सीधा संवाद किया, शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया,उनके कार्यों की गूंज दिल्ली तक पहुंची, जिसके बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और अब केंद्र सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिली।

रायपुर से लेकर कई जिलों में निभाई अहम भूमिका

आईएएस दीपक सोनी रायपुर जिले के जिला पंचायत सीईओ रह चुके हैं, तत्कालीन कलेक्टर ओ.पी. चौधरी के इस्तीफे के बाद उन्होंने रायपुर के प्रभारी कलेक्टर की जिम्मेदारी भी संभाली,इसके अलावा वे नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन,आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवाएं दे चुके हैं।

जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य, राष्ट्रपति से मिला राष्ट्रीय सम्मान

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दीपक सोनी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में उन्हें एक करोड़ रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उनकी उपलब्धियां राज्य की सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं।

दंतेवाड़ा में बदली नक्सल प्रभावित जिले की तस्वीर

दीपक सोनी की पोस्टिंग रायपुर, सूरजपुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव जैसे जिलों में रही है,नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में उन्होंने कई ऐतिहासिक पहलें कीं डैनेक्स गारमेंट फैक्ट्री की स्थापना,हजारों महिलाओं को रोजगार, आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल,बाइक से गांव-गांव पहुंचकर स्वास्थ्य व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराईं,इन नवाचारों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई।

सूरजपुर से शुरू हुआ कलेक्ट्री का सफर

दीपक सोनी को पहली बार सूरजपुर जिले में कलेक्टर के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी,इसके बाद वे दंतेवाड़ा और कोंडागांव के कलेक्टर भी रहे, वर्तमान में वे बलौदाबाजार के कलेक्टर हैं और अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जाकर स्वास्थ्य मंत्रालय में डायरेक्टर की भूमिका निभाएंगे।

काम ऐसा कि मिसाल बन गया...

छत्तीसगढ़ के युवा आईएएस अफसर दीपक सोनी को केंद्र सरकार में मिली यह बड़ी जिम्मेदारी न सिर्फ उनके लिए, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में शून्य प्रगति पर 09 कर्मचारियों के वेतन आहरण रोकने सीईओ ने दिया निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा,11 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने जिला पंचायत सभाकक्ष में जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत संचालित आवास निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान शून्य प्रगति एवं लापरवाही पाए जाने पर सीईओ ने सख्त रुख अपनाते हुए 09 संबंधित कर्मचारियों के वेतन आहरण पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही समीक्षा बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए 07 ग्राम सचिव एवं 11 रोजगार सहायकों सहित कुल 18 कर्मचारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सीईओ श्री नाग ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली एवं महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को समय-सीमा के भीतर पक्का आवास उपलब्ध कराना है। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा उदासीनता किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि जनपद पंचायत कोरबा की 09 ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण की प्रगति पूर्णतः शून्य है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सीईओ ने संबंधित पंचायतों के नोडल अधिकारी,तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने के निर्देश दिए। सीईओ ने निर्देशित किया कि प्रथम किश्त प्राप्त सभी आवासों को 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। साथ ही पीएम जनमन आवास योजना की न्यून प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए 15 दिवस के भीतर ठोस प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की संयुक्त समीक्षा करते हुए कहा कि सभी आवास निर्माण कार्यों में त्वरित गति लाकर निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता सुनिश्चित की जाए। सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सचेत करते हुए कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में यदि संतोषजनक प्रगति नहीं पाई गई, तो और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत कोरबा के सीईओ खगेश निर्मलकर,जिला आवास समन्वयक आशीष चंद्राकर,आवास नोडल अधिकारी, पंचायत सचिव,रोजगार सहायक एवं आवास मित्र उपस्थित रहे।

एक-दूजे के हुए, नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन ने उदयपुर में क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी कर ली है। इस शादी में उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। कपल ने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन ने फाइनली उदयपुर में शादी कर ली। कपल ने क्रिश्चियन वेडिंग की है जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। 11 जनवरी को शादी के प्री-वेडिंग फंक्शन्स के बाद कपल ने पहली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

पिता का हाथ पकड़कर मारी एंट्री

कपल ने जो फोटोज शेयर की हैं उसमें नूपुर और स्टेबिन एक-दूसरे को चूमते हुए नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में दुल्हन अपने पिता के साथ मंडप में प्रवेश करती हुई दिखाई दे रही है। इस तरह नुपुर और स्टेबिन फाइनली पति-पत्नी के तौर पर अपनी इस जर्नी में आगे बढ़ चुके हैं। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैंने कर लिया। मैं करती हूं। मैं करूंगी। हमेशा और हमेशा के लिए।

कई सेलेब्स ने किया विश

नूपुर और स्टेबिन ने जैसे ही फोटोज शेयर कीं, कई मशहूर हस्तियों और प्रशंसकों ने उन्हें बधाई दी। मौनी रॉय ने लिखा, सबसे खूबसूरत पल,सबसे खूबसूरत जोड़ा। हिमांशी खुराना ने टिप्पणी की, बधाई हो! भगवान आपको आशीर्वाद दें। रूबीना दिलैक ने लिखा, बधाई हो, भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दे। अभिषेक बजाज, शेखर रवजियानी, हिना खान, अमायरा दस्तूर, भूमि त्रिवेदी सहित अन्य सेलेब्स ने भी न्यूली वेड कपल को बधाई दी।

हिंदू रीति-रिवाज से भी होगी शादी

वहीं कई लोगों के मन में ये सवाल है कि कपल ने ईसाई रीति-रिवाज से शादी क्यों की? इसका जवाब स्टेबिन बेन के बैकग्राउंड में छिपा है। स्टेबिन का जन्म भोपाल में रहने वाले एक मलयाली ईसाई परिवार में हुआ था, और इस जोड़े ने उनके धर्म और पारिवारिक परंपराओं का सम्मान करते हुए ईसाई रीति-रिवाज से शादी करने का फैसला किया। वहीं, नूपुर की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए आज रात हिंदू रीति-रिवाज से भी शादी की जाएगी। इस जोड़े की सगाई 3 जनवरी को हुई और इसी के बाद से तैयारियां शुरू हो गईं। इनके वेडिंग फंक्शन 9, 10 और 11 जनवरी को चले। इसकी कई सारी वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

संगीत का सुपरस्टार...नाम है मिथुन,बॉर्डर 2 में गाया ऐसा गाना...कि चौतरफा होने लगी चर्चा

संगीत की दुनिया के सुपरस्टार म्यूजिक कंपोजर मिथुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 के गाने संदेशे आते हैं को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस गाने ने रिलीज के बाद से ही कमाल किया हुआ है और वायरल हो रहा है। इस क्लासिक गाने को मिथुन से फिर से रीक्रिएट किया है। मिथुन ने इस गाने में ऐसा जादू बिखेरा है कि चौतरफा इसकी चर्चा हो रही है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि मिथुन बॉलीवुड में अपने समय से संगीत के जादूगर रहे प्यारेलाल शर्मा के भतीजे हैं। साथ ही बीते दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में रहे पलाश मुच्छल के जीजा जी भी हैं। मिथुन ने पलाश की बहन पलक मुच्छल से शादी की है जो खुद भी एक सुपरहिट सिंगर हैं।

आशिकी 2 के गानों से दिलाई शोहरत

अगर आपने लक्ष्मीकांत प्यारेलाल की जोड़ी का नाम सुना है तो ये बात पक्की है कि आप अच्छे संगीत के शौकीन हैं। इसी जोड़ी में से प्यारेलाल शर्मा के भतीजे हैं मिथुन, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में की थी। फिल्म जहर में मिथुन ने पहली बार अपने संगीत की कला दिखाई और इसके गाने कंपोज किए। लेकिन उन्हें कोई खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद मिथुन लगे रहे और अनवर, आगार, लम्हा जैसी फिल्मों के गानों को कंपोज करते रहे। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म जिस्म 2 के गाने सुपरहिट रहे और उन्हें संगीत की दुनिया में काफी तारीफें मिलीं। लेकिन स्टार बनाने वाली फिल्म रही आशिकी 2 जो न केवल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही बल्कि इसके गानों ने लोगों के दिलों पर राज किया। इस फिल्म के गानों को मिथुन ने ही कंपोज किया था।

हमारी अधूरी कहानी में किया कमाल

इसके बाद मिथुन ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार सुपरहिट संगीत बनाया। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म हमारी अधूरी कहानी में मिथुन ने ऐसा संगीत रचा जिसे सुनकर लोगों की आत्मा तृप्त हो गई। फिल्म के गानों ने खूब गदर मचाया और मिथुन ने भी खूब तारीफें बटोरीं। इसके बाद लगातार सुपरहिट संगीत के जरिए मिथुन बॉलीवुड में संगीत की दुनिया के सुपरस्टार बन गए।

बॉर्डर-2 का गाना कराया वायरल

बीते दिनों रिलीज हुए बॉर्डर 2 के गाने संदेसे आते हैं को भी मिथुन ने रीक्रिएट किया है जिसे सुनकर लोगों की पुरानी यादें ताजा हो गईं। ये गाना न केवल सुपरहिट रहा बल्कि इंटरनेट पर वायरल होकर धूम मचा रहा है। मिथुन ने बॉलीवुड की सुपरहिट सिंगर पलाश मुच्छल से शादी की है और दोनों की जोड़ी मिलकर हिट गाने भी दे चुकी है। दोनों ही संगीत की दुनिया की सुपरहिट जोड़ी हैं।

हीरोइन संग सेल्फी लेने गया फैन,फिर कर दी घिनौनी हरकत,अब वीडियो वायरल हुआ तो लोगों ने भेजी लानतें

बॉलीवुड हीरोइन्स के साथ फैन्स को तस्वीरें खींचने का क्रेज हमेशा से ही रहा है। हाल ही में बॉलीवुड की एक बोल्ड हीरोइन के साथ सेल्फी लेने गए एक फैन ने ऐसी घिनौनी हरकत कर दी कि चौतरफा गालियां पड़ रही हैं। इसका वीडियो वायरल हुआ तो लोगों ने कमेंट सेक्शन लानतों से भर दिया। ये हीरोइन कोई और नहीं बल्कि अपनी बोल्डनेस के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे हैं। हाल ही में पूनम एक सड़क पर गुजर रही थीं और उन्हें देख लोगों की भीड़ लग गई। इसी दौरान एक इंसान उनके साथ तस्वीर खिंचाने पहुंचा और जब पूनम ने कैमरे की तरफ देखा तो उसने पूनम को किस करने की कोशिश कर दी। हालांकि पूनम ने झटके से उसे अलग कर दिया और तेजी से उससे दूर चली गईं। लेकिन इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिस पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इस घिनौनी हरकत के लिए उस इंसान को भी खूब खरी-खोटी सुनाई हैं।

इंस्टाग्राम पर वायरल है वीडियो

दरअसल इस छोटे वीडियो को द जाग इंडिया नाम के एक पेज ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। जिसमें दिख रहा है कि पूनम सड़क पर गुजर रही हैं। साथ ही यहां लोगों की भीड़ लगी है जो हाथ में कैमरा लेकर उनकी फोटो और वीडियो बना रहे हैं। इसी दौरान एक इंसान हाथ में कैमरा लिए आता है और उनके करीब पहुंचता है। पूनम भी उस इंसान को फैन समझकर कैमरे में देखने ही वाली होती हैं कि वो इंसान उन्हें किस करने के लिए आगे बढ़ता है। हालांकि पूनम इसे भांप जाती हैं और तुरंत धक्का देकर उससे चार कदम दूर चली जाती हैं। इसके बाद रुककर पूनम पलटती हैं और उस इंसान की इस हरकत पर अपना गुस्सा भी जाहिर करती हैं। इसका वीडियो अब वायरल हो गया है और लोग भी अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बोल्डनेस को लेकर पहचानी जाती हैं पूनम

बता दें कि पूनम पांडे सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उन्हें 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। इंस्टाग्राम पर अपने बोल्ड स्टाइल को लेकर काफी पॉपुलर हैं और अक्सर ही खुले जिस्म की तस्वीरें उन्हें बोल्डनेस की कतार में खड़ी करती हैं। पूनम ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज में भी काम किया है। साल 2013 में आई पूनम की पहली फिल्म नशा में ही उन्होंने काफी बोल्ड सीन्स दिए थे जिसने उन्हें काफी पहचान दिलाई थी। अभी भी पूनम इंस्टाग्राम पर बोल्डनेस को लेकर मुखर रहती हैं और खूब फोटो पोस्ट करती हैं।

खेल समाचार

पहले 5आई 50 ट्रायथलॉन चेन्नई 2026 में भारतीयों ने जलवा दिखाया

चेन्नई, 11 जनवरी 2026। रविवार सुबह IRONMAN ग्रूप का 5आई 50 ट्रायथलॉन शानदार तरीके से हुआ, जिसमें भारतीय एथलीटों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। शहर में पहली बार DuYoska Duathlon के साथ ओलंपिक डिस्टेंस ट्रायथलॉन इवेंट का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक एंड्योरेंस इवेंट में सभी कैटेगरी में 650 एथलीट और छह देशों के इंटरनेशनल पार्टिसिपेंट्स शामिल हुए, जिन्होंने कई कैटेगरी में हाई-इंटेंसिटी वाली रेस में हिस्सा लिया। पानी की मुश्किल स्थितियों के कारण, एथलीटों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 5द्ब50 ट्रायथलॉन चेन्नई के स्विमिंग लेग को कैंसिल कर दिया गया। रेस को एक बदले हुए फॉर्मेट में आयोजित किया गया, जिसमें 5 किमी दौड़, उसके बाद 40 किमी साइकिलिंग और आखिर में 10 किमी दौड़ शामिल थी, जिससे पार्टिसिपेंट्स के लिए एक कॉम्पिटिटिव और सुरक्षित एंड्योरेंस चैलेंज सुनिश्चित हुआ।

ओपन पुरुष कैटेगरी में आदर्श रूस ने सबसे पहले फिनिश लाइन पार की, उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2:05:14 के समय में कोर्स पूरा किया,जबकि आरती नैनार ने एक मजबूत और लगातार रेस के बाद ओपन महिला कैटेगरी में टॉप किया, उन्होंने 2:55:23 के समय में रेस पूरी की। रिले में, SOL Fitness 2:21:36 के समय के साथ पहले स्थान पर रहा, Boss of Tri 2:26:13 के समय के साथ दूसरे स्थान पर और 5121 Strivers तीसरे स्थान पर रहे, उन्होंने अपनी रेस 2:39:47 में पूरी की। भारतीय एथलीटों ने सभी कैटेगरी में पोडियम पर दबदबा बनाया, जो देश में ट्रायथलॉन टैलेंट की गहराई और विकास को दिखाता है।

इस मौके पर Yoska के CEO और IRONMAN इंडिया के कंट्री हेड दीपक राज ने कहा, आज भीड़ और पहली बार हिस्सा लेने वालों को देखते हुए, 51.5 KM ट्रायथलॉन उन लोगों के लिए एक अच्छा एंट्री पॉइंट है जो IRONMAN 70.3 चरूरेस में हिस्सा लेना चाहते हैं जो हम गोवा में करते हैं और आज के इवेंट के कारण पार्टिसिपेशन में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। यह हमारे लिए एक बहुत ही प्रतीक्षित रेस थी और सरकार और SDAT के समर्थन के लिए धन्यवाद, हम अगले साल भी चेन्नई वापस आने का इंतजार नहीं कर सकते।

पयास जैन मिक्स्ड डबल्स विजेता,मेन्स फाइनल में प्रवेश

वडोदरा, 11 जनवरी 2026। पायस जैन रविवार सुबह सिंड्रेला दास के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीतने और मेन्स सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने के बाद यहां स्नरूइंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में ट्रिपल क्राउन जीतने की कोशिश करेंगे। वडोदरा में डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज का पहला एडिशन, जिसे स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ गुजरात ने पेश किया है, उसे टेबल टेनिस एसोसिएशन ऑफ़ बड़ौदा होस्ट कर रहा है और ञ्जञ्ज इसे लागू कर रहा है। मिक्स्ड डबल्स के फाइनल में, जैन और दास ने पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े को 8-11, 11-9, 11-3, 11-6 से हराया।

इससे पहले, दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आकाश पाल को 11-5, 12-10, 11-9 से हराकर मेन्स सिंगल्स के फाइनल में जगह बनाई थी। पायस अब टॉप सीड मानुष शाह का सामना करेंगे, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त स्नेहित सुरावज्जुला को 6-11, 11-9, 14-12, 11-5 से हराया था। इसके अलावा,पायस पहले ही अंकुर भट्टाचार्जी के साथ मेन्स डबल्स के फाइनल में पहुंच चुके हैं,और यह जोड़ी दिन में बाद में अपने हमवतन और दूसरी वरीयता प्राप्त आकाश पाल और मुदित दानी से भिड़ेगी।

महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में, अनुषा कुतुंबले ने सातवीं वरीयता प्राप्त सुतीर्था मुखर्जी को 12-10,11-5, 16-14 से हराया। तीसरे गेम में,अनुषा ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट को बदलने से पहले दो गेम प्वाइंट बचाए और कोरिया गणराज्य की रियू हाना के खिलाफ फाइनल में जगह बनाई। बिना वरीयता प्राप्त कोरियाई खिलाड़ी, रियू हाना ने दूसरे सेमीफाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त सिंड्रेला दास को 11-4, 8-11, 7-11, 11-4, 11-9 से हराया। 2024 में, साथियान ज्ञानशेखरन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज इवेंट में मेन्स सिंगल्स ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय पैडलर बन गए हैं, उन्होंने फाइनल मुकाबले में हमवतन मानव विकास ठक्कर को 3-1 (6-11, 11-7,11-7,11-4) से हराया। यह पहली बार था जब डब्ल्यूटीटी फीडर इवेंट में मेन्स सिंगल्स फाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी आमने-सामने थे।

कोहली ने संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ा

इंटरनेशनल क्रिकेट के नंबर-2 टॉप स्कोरर बने सिर्फ तेंदुलकर से पीछे

नई दिल्ली, 11 जनवरी 2026। यूजीलैंड ने वनडे सीरीज के पहले मैच में भारत को 301 रन का टारगेट दिया है। रविवार को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 300 रन बनाए।

जवाबी पारी में भारत ने 21.4 ओवर में एक विकेट पर 130 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली क्रीज पर हैं। कोहली ने 44 बॉल पर हॉफ सेंचुरी पूरी की।

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने इस पारी में 42वां रन बनाते ही श्रीलंका के कुमार संगकारा (28016 रन) को पीछे छो दिया है। कोहली से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (34357 रन) हैं।

रोहित शर्मा (26 रन) इस पारी में दूसरा छक्का लगाते ही वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ओपनर बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के 328 छक्कों का रिकॉर्ड तो दिया। रोहित के नाम अब बतौर ओपनर 193 वनडे मैच में 329 छक्के हो गए हैं। हर बैटिंग पोजिशन को मिलाकर रोहित शर्मा पहले ही वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर हैं। उनके नाम अब तक 357 छक्के हैं।

न्यूजीलैंड के 3 बैटर्स की फिफ्टी

न्यूजीलैंड की ओर से 3 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई। डेरिल मिचेल ने 71 बॉल पर 84 रन की पारी खेली। उनके अलावा हेनरी निकोल्स ने 62 और डेवोन कॉन्वे ने 56 रन बनाए। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा ने 2-2 विकेट झटके। कुलदीप यादव को एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत:- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिच हे (विकेटकीपर), जैक फॉल्क्स, काइल जैमिसन, माइकल रे, अदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क।

ब्रैंडन नकाशिमा को शिकस्त देकर डेनियल मेदवेदेव ने जीता ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब

ब्रिस्बेन, 11 जनवरी 2026। रूसी टेनिस स्टार डेनियल मेदवेदेव ने रविवार को अपने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी ब्रैंडन नकाशिमा को 6-2, 7-6(1) से हराकर एटीपी 250 इवेंट में जीत दर्ज करते हुए ब्रिस्बेन इंटरनेशनल खिताब अपने नाम किया। 1 घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में बेसलाइन से जोरदार शॉट लगाए गए। मेदवेदेव ने पहला सेट आसानी से जीता, लेकिन दूसरा सेट ज्यादा मुश्किल साबित हुआ। मेदवेदेव ने 5-4 पर अपनी सर्विस पर मैच खत्म करने के दो मौके गंवा दिए, जिससे नकाशिमा को मैच में वापसी का मौका मिल गया। हालांकि, मेदवेदेव ने जल्दी ही अपना ध्यान केंद्रित किया और टाई-ब्रेक में दबदबा बनाकर जीत हासिल की।

मेदवेदेव ने यह जीत अपने परिवार को समर्पित करते हुए बताया कि लंबी यात्रा के कारण उनका परिवार उनके साथ नहीं आ सका। खिताबी जीत के बाद डेनियल मेदवेदेव ने कहा, ÷मैं यह जीत अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं। जब मैं यहां था तो मेरी बेटी का जन्मदिन था, इसलिए मैं यह जीत उसके पहले जन्मदिन को समर्पित करता हूं। अक्टूबर से रूसी टेनिस स्टार के प्रदर्शन में लगातार निखार आया है। उन्होंने नए कोच थॉमस जोहानसन और रोहन गोट्जके की देखरेख में अल्माटी में लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया था।

डेनियल मेदवेदेव रविवार को खिताबी जीत के साथ साल 2015 में रोजर फेडरर के बाद ब्रिस्बेन खिताब जीतने वाले पहले टॉप सीड खिलाड़ी बने। दूसरी ओर, ब्रैंडन नकाशिमा ने इस हफ्ते फाइनल से पहले एक भी सेट नहीं गंवाया था। पूर्व नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स चैंपियन अपने करियर का दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन मेदवेदेव को शिकस्त देने में कामयाब नहीं हो सके। इसी के साथ मेदवेदेव अब हेड-टू-हेड सीरीज में 3-0 से आगे हैं।

माही विज के लिए अंकिता लोखंडे की खुली सवारी,ट्रोलिंग भी झेली

मुंबई, 11 जनवरी 2026। जब से एक्ट्रेस माही विज ने अपने 'करीबी दोस्त' नदीम के लिए एक प्यार भरा और इमोशनल बर्थडे नोट लिखा है, तब से उन्हें इसके लिए ट्रोल किया जा रहा है। अब, उनकी दोस्त अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर एक लंबे नोट के साथ उनके सपोर्ट में आई हैं। पति जय भानुशाली से तलाक की घोषणा करने के तुरंत बाद, माही ने अपने 'करीबी दोस्त' नदीम के लिए एक खास बर्थडे विश लिखा, जिसमें दावा किया गया कि वे दोनों एक हैं, क्योंकि उनकी आत्माएं जुड़ी हुई हैं। उनके पोस्ट से कई यूज़र्स ने अंदाज़ा लगाया कि माही नदीम के साथ रोमांटिक रूप से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि,अब अंकिता ने एक सोशल मीडिया पोस्ट अपलोड किया है, जिससे अफवाहों पर विराम लग गया है। 'पवित्र रिश्ता' एक्ट्रेस ने कहा कि नदीम, माही और जय दोनों के लिए पिता जैसे हैं। जिस तरह से लोग माही और नदीम के रिश्ते पर कमेंट कर रहे हैं, उससे मैं सच में परेशान हूँ। मैं माही को जानती हूँ,मैं नदीम को जानती हूँ,और मैं जय को बहुत अच्छे से जानती हूँ। और मुझे यह साफ-साफ कहना है नदीम हमेशा माही और जय के लिए, और तारा के लिए एक पिता की तरह रहे हैं। बस इतना ही। और कुछ नहीं।

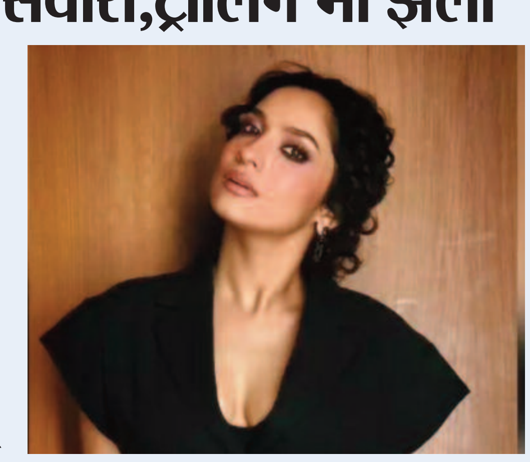

अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा,कुछ रिश्ते सम्मान,प्यार और सालों के भरोसे पर बनते हैं ङ्क और बाहर वालों को उन्हें जज करने का हक नहीं है। अंकिता ने आगे बताया कि नदीम ऐसे इंसान हैं जो ज़रूरत के समय में हमेशा अपने करीबी लोगों के साथ खड़े रहे हैं। एक दोस्त के तौर पर, मैं यह कह सकती हूँ नदीम ऐसे इंसान हैं जो मुश्किल समय में मेरे समेत लोगों के साथ खड़े रहे हैं। उनके लिए मेरे मन में बहुत इज्जत है,उनकी पोस्ट में लिखा था।

माही और जय की पेरेंटिंग स्किल्स की तारीफ करते हुए, उन्होंने आगे लिखा,माही और जय,आप पेरेंट्स के तौर पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। भगवान आपका भला करे और जो लोग नेगेटिविटी फैला रहे हैं प्लीज़ रुकें। लोगों को अपनी ज़िंदगी जीने दो। कर्म देख रहा है। माही आई लव यू। जय आई लव यू। और नदीम-तुम सच में सबसे अच्छे लोगों में से एक हो। तुम हममें से कई लोगों के लिए भगवान का भेजा हुआ इंसान हो!, अंकिता ने आखिर में कहा।

विकास तिवारी 6 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

रायपुर, 11 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने अपने पूर्व प्रवक्ता विकास तिवारी को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई झीरम घाटी हमले से जुड़े बयान और न्यायिक जांच आयोग को लेकर की गई टिप्पणी के बाद की गई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, विकास तिवारी को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर यह फैसला लिया गया। पार्टी ने इसे अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना है। इससे पहले विकास तिवारी कांग्रेस भवन पहुंचे थे, जहां उन्होंने झीरम घाटी हमले में शहीद हुए कांग्रेस नेताओं को श्रद्धांजलि दी थी। इसके बाद उन्होंने दावा किया था कि उनके पास इस मामले से जुड़े अहम दस्तावेज हैं और वही लिफाफा कांग्रेस कार्यालय में सौंपा था। विकास तिवारी ने झीरम घाटी हमले की सच्चाई सामने लाने की बात कहते हुए एनआईए और झीरम जांच आयोग को पत्र लिखकर नार्को टेस्ट की मांग भी की थी। इस पत्र में भाजपा नेताओं के साथ-साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल होने के बाद पार्टी के भीतर विवाद गहरा गया था। नार्को टेस्ट की मांग वाला पत्र सार्वजनिक होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने इसे पार्टी अनुशासन के खिलाफ माना। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर विकास तिवारी को प्रवक्ता पद से हटा दिया गया था और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि, तिवारी के दिए गए दस्तावेज और स्पष्टीकरण की समीक्षा के बाद मामला आलाकमान के सामने रखा गया।

बोलेरो के बोनट से पकड़ाया 13 लाख का गांजा मध्यप्रदेश के 2 तस्कर कवर्धा में पकड़ाए

कवर्धा, 11 जनवरी 2026। कबीरधाम जिले में 13 लाख का गांजा पकड़ाया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 जनवरी को दो अंतर्राज्यीय तस्करों को भी पकड़ा है। तस्कर बोलेरो के सीक्रेट चैंबर में गांजा के 25 पैकेट छिपाकर ओडिशा के रास्ते एमपी ले जा रहे थे। मामला बोड़ला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बोलेरो सहित 26 किलों गांजा को मौके पर जप्त कर लिया है। जब्त बोलेरो की कीमत 12 लाख है। कुल 25 लाख का सामान जप्त हुआ है। दोनों तस्कर मध्यप्रदेश के रीवा के रहने वाले है। बोड़ला एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस ने ये कार्रवाई की है। आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

गिरफ्तार गांजा तस्करों के नाम

- लाला चर्मकार (31 साल) निवासी रीवा मध्यप्रदेश।
- राधिका मल्ला (28 साल) रीवा मध्यप्रदेश।

छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत हुआ डीए...

कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और अनुशासन से ही धरातल पर साकार होती हैं शासन की नीतियां : सीएम साय

रायपुर, 11 जनवरी 2026। कर्मचारी शासन-प्रशासन की रीढ़ होते हैं और उनकी ईमानदारी, कर्मठता तथा संवेदनशीलता से ही सरकार की योजनाएं, नीतियां और निर्णय वास्तविक रूप में धरातल पर उतरते हैं। छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक ढांचा आप सभी की मेहनत, निष्ठा और अनुशासन के कारण ही प्रभावी ढंग से कार्य कर पा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिक्षा संस्थान परिसर में राज्य कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित त्रैवार्षिक अष्टम प्रदेश अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत से बढ़ाकर केंद्र सरकार के समान 58 प्रतिशत किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच यह निर्णय कर्मचारियों को वास्तविक राहत

प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की कर्मचारी-हितैषी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री साय ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिवेशन संगठनात्मक विचार-विमर्श के साथ ही सुशासन के संकल्प को सुदृढ़ करने का एक सशक्त अवसर है। जब सरकार और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं, तभी विकास का मार्ग प्रशस्त होता है और शासन व्यवस्था अधिक सशक्त बनती है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने कर्मचारियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। स्थानांतरण नीति, पदोन्नति प्रक्रिया और कार्यस्थल संबंधी व्यवस्थाओं में सुधार कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सुचारु और कर्मचारी-अनुकूल बनाया गया है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के गठन से जन-विश्वास आधारित शासन तंत्र को और मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समयबद्ध भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

छत्तीसगढ़ पेंशन फंड की स्थापना कर तथा पेंशन फंड विधेयक को विधानसभा से पारित कर राज्य ने इस दिशा में एक मजबूत विधायी आधार भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस, ऑनलाइन सेवाओं और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कर्मचारियों की कार्यक्षमता को सशक्त बनाया गया है, वहीं प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यक्रमों के जरिए उन्हें बदलते समय के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। एक समय नक्सलवाद प्रदेश के लिए बड़ी चुनौती था, लेकिन हमारे सुरक्षा बलों ने अद्वितीय साहस और पराक्रम से इसका डटकर मुकाबला किया है। उन्होंने मंच से सुरक्षा बलों की वीरता को नमन करते हुए कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए बेहतर और मानवीय पुनर्वास नीति लागू की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बस्तर क्षेत्र में शांति व्यवस्था तेजी से स्थापित हो रही है और 'नियद नेल्ला नार' योजना के माध्यम से सुदूर वनांचलों तक बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप राज्य सरकार ने भी 'छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047' तैयार कर प्रदेश के विकास को नई दिशा और गति दी है।

नाम बदलने की सियासत पर सड़क से संदेश

नए मनरेगा पर कांग्रेस का उपवास...

रायपुर, 11 जनवरी 2026। मनरेगा योजना के नाम में बदलाव को लेकर सियासी टकराव अब सड़क पर उतर आया है। कांग्रेस ने इसे सिर्फ नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार की पहचान से छेड़छाड़ करार देते हुए प्रदेशभर में मनरेगा बचाओ संग्राम की शुरुआत कर दी है। इसी क्रम में चरणबद्ध आंदोलन के तहत रविवार को कांग्रेस नेताओं ने एक दिवसीय उपवास रखकर केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ

विरोध दर्ज कराया। इस विरोध की कमान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने संभाली। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में दीपक बैज जिला कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मां दंतेश्वरी मंदिर के सामने उपवास पर बैठे और केंद्र की मोदी सरकार के फैसले के खिलाफ सांकेतिक विरोध किया।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की आजीविका से जुड़ी पहचान है, जिसे बदलना जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने उपवास के दौरान केंद्र सरकार से मांग की कि वीबी जी राम जी योजना के नाम को वापस बदलकर पूर्ववत मनरेगा किया जाए।

दहशत में न्यायधानी! ई-मेल से मिली थी कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, अब शहर में मिला पटाखों से भरा ट्रक

बिलासपुर, 11 जनवरी 2026। जिला न्यायालय को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बिलासपुर में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इसी बीच शहर में तमिलनाडु नंबर प्लेट वाला एक ट्रक पटाखों से भरा संदिग्ध हालात में खड़ा मिला। इस घटना के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। बता दें, 8 जनवरी की सुबह तमिलनाडु से ई-मेल के जरिए बिलासपुर और राजनांदगांव के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट को उड़ाने की धमकी दी गई मिली थी। इसके बाद से इन शहरों में प्रशासन अलर्ट मोड पर है। इसी बीच रविवार सुबह बिलासपुर के तोरवा थाना

क्षेत्र के मानिकपुर रोड पर एक तमिलनाडू नंबरप्लेट वाली ट्रक (टीएन-52 पी-9783) पटाखों से भरी मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक से पटाखों से भरे कार्टून पिकअप वाहन में ट्रांसफर किए जा रहे थे। गांव और रिहायशी इलाके के बीच बिना किसी सुरक्षा मानकों के खड़े इस ट्रक को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स, नमनाकला, संत हरकेवल विद्यापीठ के पास, अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050, डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001, 98265-32611, Email:ghatatighatana11@ gmail.com, Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)